RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 239 , सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

शिकारगंज में बड़ा हादसाः कछुआ नदी की पुलिया धंसी, एक युवक की मौत, तीन घायल... 03

551 कुमारी कन्याओं की भव्य कलश यात्रा से भक्तिमय हुआ जिहुली, जयकारों से गूंजा... 04

कृति संनन का 'जीवा' विज्ञापन विवादः कपड़ों से लेकर राष्ट्रीय... 07

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय दिन
मां ब्रह्मचारिणी

मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग और संयम की प्रतीक है। इनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल रहता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से साधक को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। भक्त ज्ञान, शांति और सफलता के लिए इनकी पूजा करते हैं।

यूपी कांग्रेस कार्यालय में हंगामा, जमकर चले जूते

पूर्व चीफ अजय राय और ममता चौधरी आपस में भिड़े

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के कार्यभार ग्रहण के दौरान रविवार को पार्टी मुख्यालय में जमकर हंगामा हुआ। नेताओं के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट हुई। जूते भी चले। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय धरने पर बैठ गए। उन्होंने अपने समर्थकों के

साथ बदसलूकी का आरोप लगाया है। अजय राय के समर्थक और दूसरे पक्ष के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। अजय राय ने कांग्रेस नेता ममता चौधरी पर बदसलूकी का आरोप लगाया। नाराज अजय राय अपने समर्थकों के साथ दफ्तर से बाहर निकल गए। प्रमोद तिवारी और इमरान मसूद मनाकर उनको अंदर ले गए।

मणिपुर में 12 घंटे से झड़प जारी, नौ लोगों की मौत

हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी से तनाव बढ़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा का एक बेहद खौफनाक दौर देखने को मिला है। राज्य के तीन अलग-अलग जिलों में महज 12 घंटों के भीतर हुई हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी में एक गूर्खा किसान और पांच बच्चों की

मां सहित कुल 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस तांडव के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बता दें कि इस ताजा हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात को कामजोंग जिले के चास्साद गांव में हुई, जहां 42 वर्षीय कुकी महिला डोमखोनेई तौथांग की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें गांव के सुरक्षा गार्ड पोस्ट को हटाने गई थीं, जिसका विरोध था।

एआई रोकेगा एक्सीडेंट
सड़क हादसों पर लगेगी लगाम

● अब राज्यों की सड़कों पर भी लागू होगा ईडीएआर सिस्टम

डेटा से पकड़े जाएंगे ब्लैक कॉरिडोर, केन्द्र की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल बढ़ा रही है। नेशनल हाइवे पर एक्सीडेंट वाले खतरनाक इलाकों की पहचान करने वाला ईडीएआर सिस्टम अब राज्य और स्थानीय सड़कों पर भी इस्तेमाल किया जाएगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक यह एआई सिस्टम अधिकारियों को यह समझने में मदद करेगा कि दुर्घटनाएं कहां और कैसे हो रही हैं, जिससे वहां सुधार किए जा सकें। इससे हाइवे पर एक्सीडेंट्स को कम करने में मदद मिलेगी।

एआई ने ढूंढे 6,000 से ज्यादा खतरनाक ब्लैक कॉरिडोर- ब्लैक कॉरिडोर हाइवे का वह हिस्सा होता है जहां लगातार कई एक्सीडेंट ब्लैक स्पॉट्स मौजूद होते हैं। मतलब कि वे जगह जहां बार-बार गंभीर हादसे होते हैं। नेशनल हाइवे पर ईडीएआर डेटा के एआई एनालिसिस से अब तक 6,358 ब्लैक कॉरिडोर की पहचान की गई है, जो करीब 6,400 किलोमीटर से ज्यादा लंबे हाइवे को कवर करते हैं। इन खतरनाक पैचों पर साल 2023 से 2025 के बीच 37,164 लोगों की मौत हुई थी। सबसे ज्यादा ब्लैक कॉरिडोर वाले राज्यों की बात करें तो तमिलनाडु का नाम सबसे पहले आता है, जहां 958 स्पॉट्स पाए गए हैं।

राज्यों को मिलेंगे केंद्र के हाई-टेक प्लेटफॉर्म

गुजरात के एकता नगर में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर 2026 में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ यह प्रस्ताव पर चर्चा की। केंद्र सरकार ने कहा कि पीएम गतिशक्ति, डेटा लेक, कॉन्ट्रैक्टर रेटिंग सिस्टम और भूमि राशि जैसे प्लेटफॉर्म और सिस्टम राज्य स्तर पर इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराए जा सकते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे स्टेट हाइवे और एक्सप्रेसवे बनाने के लिए नेशनल हाइवे प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल हुए ईडीएआर और एआई के 4 मॉडल को अपनाएं, जिससे सड़कों की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

एफ-35 के पास भी नहीं जाने देते और खरीदने की बात करते हैं

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिकी कमांडर को जमकर सुना दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने अमेरिका की ओर से भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट बेचने संबंधी दावों पर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया है। जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2026 के समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में इंडियन एयर फोर्स चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने अहम टिप्पणी की। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि हमें कोई ऑफिशियल ऑफर नहीं आया है एफ-35 का। मैं अभी इधर अमरीकी कमांडर को बता रहा था कि हमें तो जहाज के पास जाने नहीं दे रहे आपके लोग, आप हमें बेचने की बात करते हैं। तो ऐसा कोई ऑफिशियल ऑफर हमारे पास नहीं आया है जो हमारे तक पहुंचा हो। भारतीय वायुसेना चीफ ने आगे कहा कि और जहां तक एफ-57 का सवाल है, हमें खबर आई है कि उन्होंने ऑफर किया है। लेकिन अभी तक कोई डिसीजन नहीं हुआ है कि हमें चेक करना है या नहीं करना है।

जब हमें डिसीजन दिया जाएगा, हम उसको इवेलुएट करेंगे कि हमारी रिक्वायरमेंट्स पर वो कितना खरा उतरता है। बाकी उसकी कितनी कैपेबिलिटीज हैं, वो सब ओपन सोर्स में अवेलेबल हैं, तो अभी हमें उतना ही पता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत भविष्य की कॉम्बैट एयरक्राफ्ट जरूरतों का मूल्यांकन कर रहा है और साथ ही स्वदेशी रक्षा निर्माण को मजबूत करने पर जोर है।

मेट्रो और इंटरनेट सेवा बहाल हो, बैरिकेड्स हटाए जाएं

सुप्रीम कोर्ट बोला-शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन से ठीक पहले हुए सरकारी एक्शन और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक विशेष सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने वाले लोगों को अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए और राजधानी में मेट्रो व रेल सेवाएं सामान्य रूप से चालू रखी जाएं।

बता दें कि जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने 9 अक्टूबर के अपने आदेश के कथित उल्लंघन और 10 अक्टूबर को दिल्ली में बड़ी संख्या में

लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिए जाने के मामलों पर तत्काल सुनवाई करते हुए कई अहम आदेश दिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की अवैध हिरासत पर रोक- कोर्ट ने प्रशासन को कड़ा निर्देश दिया है कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हो रहे हैं, उन्हें अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए।

मेट्रो और रेलवे सेवाओं की बहाली की जाए

अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि दिल्ली मेट्रो अपने सामान्य शेड्यूल के मुताबिक चले और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुचारू रूप से काम करे। कोर्ट ने कहा कि जब तक कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बेहद जरूरी न हो, शहर से सभी बैरिकेड्स हटा दिए जाने चाहिए ताकि आम लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाएं बाधित नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि वकीलों, पत्रकारों और अन्य पेशेवरों को उनके पेशेवर कर्तव्यों (प्रोफेशनल ड्यूटी) के निर्वहन से बिल्कुल न रोका जाए। अदालत ने यह भी साफ किया कि नागरिकों को विरोध प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह प्रक्रिया पुलिस एक्ट और कानून के दायरे में ही होनी चाहिए। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में केंद्रीय गृह सचिव, दिल्ली पुलिस कमिश्नर और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। गौरतलब है कि सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकीलों ने अदालत को बताया कि आदेशों का घोर उल्लंघन किया गया है। मेट्रो सेवाएं ठप थीं, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन बंद कर दिए गए थे।

पीएम मोदी ने सीएम विजय के साथ मेट्रो में किया सफर

सीएम के साथ चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने कहा-तमिलनाडु में दिखती है नए भारत की झलक

पीएम मोदी बोले-भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है

चेन्नई (एजेंसी)। पीएम मोदी ने चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में टीवीके ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने।

● **तमिलनाडु में सरकारें बदलती रहीं, मेरा सेवा का संकल्प जारी रहा-** पीएम मोदी ने कहा- मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ कई बार बातचीत करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां के लोगों की सेवा करने का मेरा संकल्प कायम रहा। अब हम मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

आपके प्यार से सरकार प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे

मोदी बोले- कुछ दिन पहले ही, आपके आशीर्वाद और देश की जनता के प्यार से मैंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे करने का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया। अक्टूबर 2001 में मैंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से देश की जनता ने मुझे पहले मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया।

पीएम मोदी ने कहा, आज तमिलनाडु के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज के कार्यक्रम में 13,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। इनमें से कुछ परियोजनाएं रोजमर्रा की आवाजाही को आसान बनाएंगी, जबकि कुछ उद्योग और व्यापार को मजबूती देंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

देशभर में आपातकाल जैसे बन गए हैं हालात

● **सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और केन्द्र को घेरा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से रविवार को से दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पिछले 72 घंटों में देश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनकी किसी ने कल्पना भी

नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी देश को बचाने और आगे बढ़ाने की है लेकिन वह समझौता कर चुका है। उन्होंने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक

और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार राज्यपाल को प्रांत का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण संभालने का निर्देश दे सकती है। राष्ट्रपति द्वारा जारी घोषणापत्र के अनुसार, प्रांत में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका था। इसमें कहा गया है कि आतंकी घटनाओं की बढ़ती तीव्रता आम नागरिकों के लिए खतरनाक है।

इमरान खान के समर्थन में जारी विरोध मार्च

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला जा रहा था। यह मार्च 4 अक्टूबर को लक्की मरवत से शुरू हुआ था और इसका उद्देश्य इमरान खान की रिहाई और उनके लिए बेहतर इलाज की मांग करना था। पीटीआई की योजना इस मार्च को इस्लामाबाद ले जाकर धरना देने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इमरान खान की पार्टी मांग कर रही है कि इमरान खान से तुरंत मिलने दिया जाए, उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंच मिले।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का मार्च आज

जंतर-मंतर जा सकते हैं, राहुल ने चीफ जस्टिस से मिलने का समय मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष कल सोमवार को दिल्ली में मार्च निकालेगा। विपक्षी सांसद जंतर-मंतर भी जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी सीजेआई सूर्यकांत से मुलाकात करेंगे। शाम 4 से 5 बजे के बीच मिलने का समय मांगा गया है। उन्होंने कहा कि हम सीजेआई को देश में

लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति से अवगत कराएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग की स्वायत्तता कमजोर करने और 'वोट चोरी' जारी रखने का आरोप लगाया। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने 6, 7, 8 और 9 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी।

टीएमसी विधायक बिभास सरदार पर हमला, कार के शीशे तोड़े

● बीजेपी पर आरोप, 5 महीने में 26 से ज्यादा टीएमसी नेताओं पर हमले

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर ईस्ट से टीएमसी विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले उनकी कार का शीशा ईंट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में उनकी आंख में चोट आई है। बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 15 साल बाद टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई और पहली बार बीजेपी की सरकार बनी। चुनाव के बाद पिछले 5 महीनों में टीएमसी के 26 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने या हमले की घटनाएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि विधायक पर 2 बार हमला हुआ।

हमले में अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा जैसे नाम भी शामिल

पिछले 5 महीनों में टीएमसी के 25 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले हुए हैं। इनमें टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। 28 मई को नॉर्थ 24 परगना जिले में टीएमसी सांसद सौगत रॉय की कार पर अंडे फेंके गए और 'चोर-चोर' के नारे लगे। 30 मई को सोनारपुर में ममता के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर अंडे, पत्थर और जूते फेंके गए। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें पुलिस हेलमेट पहनाकर निकाला।

संक्षिप्त समाचार

वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @मोतिहारी। बिजधरी थाना पुलिस ने न्यायालय से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए वारंटी किशन कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान ताजपुर पटखौलिया गांव निवासी स्वर्गीय शैकेन्द्र सिंह के पुत्र किशन कुमार सिंह के रूप में हुई है। बिजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि किशन कुमार सिंह ट्रायल संख्या 1436/26 में वारंटी था। पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में अग्रसारित कर दिया।

पटना बाईपास-रेललाइन का 120 किमी/घंटा की रफ्तार से सफल ट्रायल, सीआरएस ने किया निरीक्षण

हाजीपुर। पटना होकर गुजरने वाली मालगाड़ियों का दबाव कम करने के लिए रेलवे ने अहम कदम उठाया है। दानापुर मंडल में बनी नेउरा-जट डुमरी नई रेललाइन पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विशेष ट्रेन का सफल स्पीड ट्रायल किया गया। इससे पहले 8 अक्टूबर को रेलवे संरक्षा आयुक्त ने इस रेलखंड का निरीक्षण किया था। इस नई रेललाइन के चालू होने से दानापुर-पटना-किऊल-झाझा मुख्य रेलमार्ग पर मालगाड़ियों के परिचालन का अतिरिक्त दबाव कम करने में मदद मिलेगी। नेउरा से जट डुमरी तक करीब 20 किलोमीटर लंबे रेलखंड का निर्माण पूरा होने के साथ नेउरा-शेखपुरा नई रेललाइन परियोजना का काम पूरा हो गया है। यह रेलखंड नेउरा-दनियावां नई रेललाइन परियोजना का हिस्सा है। रेलवे की इस परियोजना का उद्देश्य रेल परिचालन को अधिक सुगम बनाना और मालगाड़ियों के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना है। इस रेलखंड पर नेउरा जंक्शन और जट डुमरी जंक्शन के बीच गोनपुरा स्टेशन बनाया गया है। इसके अलावा अधपा, चामुचक और बाजिदपुर हाल्ट का निर्माण किया गया है। इन रेल सुविधाओं से संबंधित क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा। नई रेललाइन पर परिचालन को सुचारु बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का भी विकास किया गया है। इस रेलखंड पर तीन बड़े और 16 छोटे पुल बनाए गए हैं। इसके साथ ही पांच एलएचएस, दो आरओबी, एक आरओआर और 12 आरयूबी का निर्माण किया गया है। इन संरचनाओं से रेललाइन पर सुरक्षित परिचालन के लिए जरूरी व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। नेउरा-जट डुमरी रेललाइन दानापुर-पटना-किऊल-झाझा मुख्य रेलमार्ग के लिए बाईपास के रूप में काम करेगी। इससे पटना होकर गुजरने वाली मालगाड़ियों के परिचालन का अतिरिक्त दबाव कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रेलवे को मालगाड़ियों के संचालन के लिए एक वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे मुख्य रेलमार्ग पर परिचालन प्रबंधन अधिक सुविधाजनक हो सकेगा।

वैशाली में बद्रीनाथ मंदिर की तर्ज पर बनेगा पूजा पंडाल, जंदाहा में गंगाजल लेकर निकली कलश यात्रा

हाजीपुर। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन रविवार को वैशाली जिले में भक्तिमय माहौल रहा। जंदाहा के सुरेश चौक स्थित दुर्गा स्थान पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। जिले के विभिन्न प्रखंडों में कलश स्थापना के साथ पूजा-अर्चना शुरू हुई। वहीं, हाजीपुर से लेकर महुआ, महनार, बिदुपुर, जंदाहा, राजापाकर, गोरौल और देसरी तक दुर्गा पूजा को लेकर भव्य पंडाल बनाए जा रहे हैं। जंदाहा प्रखंड में नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। महनार से टैंकर में गंगाजल लाकर रामपुर बाय नदी के पास स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामपुर परिसर में रखा गया। इसके बाद कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश रखकर पैदल यात्रा शुरू की। यात्रा सुरेश चौक स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। कलश यात्रा में हाथी-घोड़े, बैंड-बाजे और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु उत्साहित नजर आए। रास्ते में जगह-जगह मां दुर्गा के जयकारे लगाए गए। नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान कलश स्थापना के साथ जौ बोने की परंपरा भी निभाई गई। जिले में दुर्गा पूजा को लेकर आकर्षक पंडालों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। महुआ के गांधी चौक पर बद्रीनाथ मंदिर की तर्ज पर भव्य पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। हृदयस्थली कहे जाने वाले गांधी चौक का यह पंडाल नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनने की तैयारी में है। गोरौल प्रखंड के कटरमाला चौक पर भी भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं, राजापाकर हाईस्कूल परिसर स्थित दुर्गा स्थान में भी पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अलग-अलग स्थानों पर पंडालों को आकर्षक रूप देने के लिए कारीगर जुटे हुए हैं। हाजीपुर शहर में भी दुर्गा पूजा को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। रामाशीष चौक, पासवान चौक, स्टेशन रोड, राजेंद्र चौक, रामजीवन चौक और रामबालक चौक समेत विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। कई स्थानों पर कलश स्थापना के साथ पूजा-अर्चना शुरू हो गई है।

ट्रक की टक्कर से 2 बाइक सवार दोस्तों की मौत, महात्मा गांधी सेतु पर ओवरटेक करते समय हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर में महात्मा गांधी सेतु के पूर्वी लेन पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। पुल के पाया नंबर 26 के पास हुए इस हादसे में दोनों युवक ट्रक के पहिए के नीचे आ गए और करीब 20 मीटर तक सड़क पर घसीटते चले गए। हादसे के बाद ट्रक चालक भागने लगा, लेकिन राहगीरों ने करीब डेढ़ किलोमीटर पीछा कर उसे ड्राइवर समेत पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। इस घटना से महात्मा गांधी सेतु के पूर्वी लेन पर यातायात ठप हो गया। हाजीपुर से पटना जाने वाले रास्ते पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जानकारी मिलने पर डायल 112 और गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को अपने पास लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया। मृतकों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के रंगीला चौक निवासी शौरभ कुमार (17) और सुभई गांव निवासी कृतिक कुमार (19) के रूप में हुई है। दोनों दोस्त इंटर पास थे और बाइक से पटना मरीन ड्राइव घूमने जा रहे थे। शौरभ दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था, जबकि कृतिक दो भाइयों में बड़ा था। दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक को भी पकड़ लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

एतवारपुर में सबसे महंगा दुर्गा पूजा पंडाल, बोरिंग रोड में 20 हजार घंटियों से सजावट, खाजपुरा में रावण पर्वत उठाते दिखेंगे

पटना। पटना में दुर्गापूजा में इस बार 1500 पंडाल बन रहे हैं। हर पंडाल की थीम अलग रहेगी। श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए कलाकारों ने भव्य तैयारी की है। बोरिंग कैनाल रोड में शिवलिंग के आकार का पंडाल बनाया जा रहा है। पंडाल को 20 हजार घंटियों से सजाया गया है। मीठापुर में पंडाल पूरी तरह से वातानुकूलित रहेगा। वहीं, एतवारपुर में पटना का सबसे लंबा 121 फीट ऊंचा पंडाल है। जिसे बनाने में 85 लाख लगे हैं, जो पटना में सबसे महंगा पंडाल है। खाजपुरा में पंडालनुमा पर्वत को रावण हाथ से उठाते नजर आएंगे। एतवारपुर का पूजा पंडाल पिछले 3 साल से पटना में टॉप पर रहा है। इस बार यहां जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार हुआ है। इसकी ऊंचाई और चौड़ाई में ज्यादा फर्क नहीं है। ऊंचाई 121 फीट है तो चौड़ाई 120 फीट। इसे 80 कारीगरों ने मिलकर बनाया है। इस बार पंडाल में 3डी मैपिंग शो भी होगा, यह बिहार में पहली बार है। लाइटिंग और मैपिंग तकनीक के माध्यम से मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों के साथ भगवान जगन्नाथ, पुरी मंदिर और रथयात्रा समेत कई धार्मिक दृश्य दिखाए जाएंगे। 3डी मैपिंग शो के लिए मुंबई से टीम बुलाने की तैयारी है। विजयादशमी के दिन विसर्जन जुलूस में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा भी निकाली जाएगी। पंडाल के आसपास करीब 2 किलोमीटर तक लाइटिंग है, जो जगन्नाथ मंदिर पर ही आधारित है। कोलकाता के चंदन नगर से लाइटिंग के लिए टीम आई है। सुरक्षा को लेकर पंडाल समिति से 200 वालंटियर रहेंगे। वहीं, प्रशासन की ओर से भी जवान तैनात किए जाएंगे। 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन से निगरानी की जाएगी।

गांधी मैदान में सबसे बड़ा रामलीला शुरू, नीतीश कुमार ने किया उद्घाटन

एजेंसी, पटना

आज से गांधी मैदान में रामलीला की शुरुआत हो रही है। श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में दिल्ली के सांस्कृतिक कला संगम के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे। शाम में महोत्सव का उद्घाटन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने किया है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हैं। बिहार के राम जिंदाबाद, बिहार के लोकनाथ जिंदाबाद के लोग नारे भी लगे।

पहले चार दिन रामलीला के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमः ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश नंदन ने बताया कि 11 से 14 अक्टूबर तक शाम 4 बजे से रामलीला का मंचन होगा। शाम छह बजे से गीत-संगीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में देश के चर्चित कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं, 15 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम छह बजे से रामलीला का मंचन होगा।

पहली बार दिल्ली के कलाकार करेंगे मंचन

LED स्क्रीन और स्पेशल इफेक्ट्स से रामलीला को दिखाया जाएगाः ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि बैकग्राउंड में LED स्क्रीन और स्पेशल इफेक्ट्स से रामलीला के दृश्य और जीवंत होंगे। पटना में पहली बार रामलीला में इस तकनीक के इस्तेमाल की तैयारी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1955 से चली आ रही परंपरा का यह 71वां वर्ष है। इस बार महोत्सव को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपरा और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है।

गांधी मैदान में मां पटन देवी के दर्शन का अवसरः महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को मां पटन देवी के विग्रह के दर्शन और पूजन का अवसर भी मिलेगा। शिशिर कुमार और डॉ. अजय प्रकाश के संयोजन में गांधी मैदान के मुख्य पंडाल के पास मां पटन देवी के विग्रह को स्थापित किया जा रहा है। इससे महोत्सव में आने वाले श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों में भी शामिल हो सकेंगे।

21 अक्टूबर को होगा भरत मिलापः ट्रस्ट के महासचिव प्रिंस कुमार राजू ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य और युवा कार्यकर्ता आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने में जुटे हैं। कोषाध्यक्ष डॉ. धनंजय कुमार ने कहा कि समाज के सहयोग से यह गौरवशाली परंपरा लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने लोगों से महोत्सव में शामिल होकर भारतीय संस्कृति की इस परंपरा का हिस्सा बनने की अपील की।

पिंटू साधना हत्याकांड में 25 हजार का इनामी साधु गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के मुसल्लहपुर हाट में मसाला कारोबारी पिंटू कुमार उर्फ पिंटू साधना की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। STF और पीरबहोर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 10 अक्टूबर को 25 हजार रुपए के इनामी कुख्यात अपराधी साधु यादव को गिरफ्तार किया गया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस अब उससे पूछताछ कर हत्याकांड में उसकी भूमिका और अन्य आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

14 मई की रात ब्लैकआउट के दौरान मारी गई थी गोलीः मुसल्लहपुर हाट में 14 मई 2026 की रात ब्लैकआउट के दौरान अपराधियों ने मसाला कारोबारी पिंटू कुमार उर्फ पिंटू साधना को गोली मार दी थी। गोली लगने से उनकी मौत हो गई थी। वारदात के बाद अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए थे। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस जांच में साधु यादव की संलिप्तता सामने आने के बाद उसकी तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी के लिए उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

पीरबहोर के नया गांव का रहने वाला है साधुः गिरफ्तार साधु यादव पीरबहोर थाना क्षेत्र के नया गांव का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पीरबहोर, सुल्तानगंज और उत्पाद थाना समेत विभिन्न थानों में 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह शराब के कारोबार सहित कई मामलों में भी वांछित बताया जा रहा है। साधु की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को हत्याकांड की जांच में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। उससे पूछताछ के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और वारदात के पीछे के कारणों की पड़ताल की जाएगी।

पुराने स्टूडेंट के फोन करने पर आनंद सर हुए भावुक

एजेंसी, पटना

एक शिक्षक के लिए इससे बड़ी खुशी क्या होगी कि जिस छात्र को कभी आर्थिक तंगी के बीच पढ़ाया, वह सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी अपने गुरु को याद रखे। 'सुपर 30' के संस्थापक और वर्ल्ड फेम मैथमेटिशियन आनंद कुमार ने सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक भावुक संस्मरण साझा किया है। उन्होंने बताया कि उनके पुराने छात्र बिदुर कांत झा ने करीब तीन दशक बाद फोन कर उनका हालचाल पूछा। आज बिदुर केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

आनंद कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुराने और नए समय की तस्वीरें साझा करते हुए छात्र से जुड़ी यादें लिखीं। उन्होंने बताया कि करीब 30 साल पहले बिदुर उनके पास पढ़ने आए थे। उस समय आनंद कुमार खुद विद्यार्थी थे। गणित पढ़ना उनका जुनून और दूसरों को पढ़ाना शौक था। आनंद कुमार के मुताबिक, बिदुर ने उनसे कहा था कि उसके पास पढ़ाई के लिए पैसे नहीं हैं। इस पर उन्होंने उसे पैसे की चिंता छोड़कर मन लगाकर पढ़ने को कहा। आर्थिक अभाव के बावजूद बिदुर ने मेहनत जारी रखी और आगे बढ़ने का सपना नहीं छोड़ा। आनंद कुमार ने लिखा कि समय के साथ जिंदगी आगे बढ़ती गई और मुलाकातें छूट गईं। लेकिन पुराने छात्र का फोन आते ही उन्हें संघर्ष के वे दिन याद आ गए। उन्होंने बताया कि बिदुर आज भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में डायरेक्टर हैं। इतने बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी उनका अपने पुराने शिक्षक को फोन कर हालचाल पूछना आनंद कुमार के लिए खास मायने रखता है।

पप्पू यादव बोले- राहुल-प्रियंका को मरवाने की साजिश, मोदी-अमित शाह को छोड़ना पड़ेगा देश

एजेंसी, पटना

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने आज रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान के कई वीडियो दिखाए और दावा किया कि प्रदर्शन को रोकने के लिए करीब एक लाख सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से हटाकर अर्धसैनिक बलों को दिल्ली बुलाया गया। पप्पू यादव ने आरोप लगाया, 'सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला कर रही है और एक व्यक्ति को बचाने के लिए पूरे देश के Gen-Z पर कार्रवाई की जा रही है।'

राहुल-प्रियंका गांधी को लेकर बड़ा दावाः पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को मरवाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि तीन मुख्यमंत्रियों पर हमला किया गया और उनके सामने प्रियंका गांधी पर भी हमला हुआ। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान उनकी बेटियों के साथ ज्यादती की गई और उनके कपड़े तक फाड़े गए। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जो साक्ष्य पेश किए, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मोदी और अमित शाह को छोड़ना पड़ेगा देश - पप्पू यादवः सांसद पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अब देश छोड़ना पड़ेगा।'

पप्पू यादव ने कहा, सरकार के पास महंगाई कम करने का समय नहीं है, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करने के लिए पूरी ताकत लगा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान देशभर से सुरक्षाबलों को बुलाया गया और ट्रेनों को बंद कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन और सुरक्षा व्यवस्था के कारण दिल्ली में करीब 4 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

एलन मस्क के मुद्दे पर भी उठाए सवालः पप्पू यादव ने एलन मस्क का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर दो बड़े उद्योगपतियों का प्रभाव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आम जनता के मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही है।

मणिपुर का मुद्दा उठाकर केंद्र को घेराः पप्पू यादव ने मणिपुर की स्थिति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा बल उपलब्ध नहीं हैं, जबकि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर लगातार हमला किया जा रहा है।

कंगना रनौत पर भी साधा निशानाः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पप्पू यादव ने बिना नाम लिए अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत पर भी तंज कसा। उन्होंने जंतर-मंतर को लेकर की गई कथित टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, 'प्रदर्शन स्थल को आवारा लोगों की जगह बताकर प्रदर्शनकारियों का अपमान किया जा रहा है। सरकार समर्थक लोगों की ओर से हिंसा किए जाने के बावजूद उन्हें देश का रक्षक बताया जाता है।'

प्रॉपर्टी टैक्स के नाम पर हो रही ठगी, नगर निगम को मिली फर्जी रसीद की शिकायतें

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स के नाम पर ठगी हो रही है। नगर निगम के संज्ञान में प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान और असेसमेंट के नाम पर ठगी करने और फर्जी रसीद जारी करने की शिकायतें आई हैं। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी सेवाओं का लाभ निर्धारित शिविरों में पहुंचकर लें और प्रॉपर्टी टैक्स के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहें। दरअसल, पटना नगर निगम की ओर से प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 12 से 16 अक्टूबर तक हर वार्ड में शिविर लगाए जाएंगे। दो चरणों में आयोजित इन शिविरों में लोग प्रॉपर्टी टैक्स का निर्धारण, पुनर्निर्धारण और संशोधन सहित अन्य संबंधित कार्य करा सकेंगे।

पहले चरण में 12 से 14 अक्टूबर तक लगेंगे शिविरः पहले चरण में नूतन राजधानी अंचल के वार्ड-16 में गर्दनीबाग स्थित कच्ची तालाब, सूर्य मंदिर के पास और पाटलिपुत्र अंचल के वार्ड-22सी में सिद्धेश्वर नगर, मैनपुरा में ग्रीन हेरिटेज के पीछे पार्षद कार्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

दूसरे चरण में इन जगहों पर होगी सुविधाः दूसरे चरण में 15 और 16 अक्टूबर को नूतन राजधानी अंचल के वार्ड-17 में सामुदायिक भवन, चांदपुर बेला, पटना-गया लाइन मुख्य सड़क और पाटलिपुत्र अंचल के वार्ड-23 में बोरिंग रोड चौराहे के पास सुधा मिल्क पार्लर के निकट शिविर आयोजित किया जाएगा।

फर्जी रसीद और ठगी से रहें सावधानः निगम ने संपत्ति धारकों को केवल आधिकारिक टैक्स काउंटर, शिविर या निगम के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ही भुगतान और अन्य कार्य कराने की सलाह दी है। किसी अनधिकृत व्यक्ति को पैसे नहीं देने और भुगतान के बाद रसीद की प्रामाणिकता जांचने की अपील की गई है।

क्यूआर कोड से कर सकते हैं रसीद का सत्यापनः पटना नगर निगम की आधिकारिक रसीद पर क्यूआर कोड अंकित होता है। इसके माध्यम से संपत्ति से संबंधित विवरण, ऑर्डर आईडी और आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध रसीद की डिजिटल प्रति का लिंक प्राप्त किया जा सकता है। नागरिक निगम के टैक्स काउंटर या शिविर में भी रसीद की प्रामाणिकता की जांच करा सकते हैं। किसी तरह की गड़बड़ी या संदेह होने पर रसीद का सत्यापन कराना जरूरी है।

विश्व स्पाइन दिवस पर पटना में सेमिनार

एजेंसी, पटना

♦ विशेषज्ञों ने कहा- कमर-गर्दन दर्द को नजरअंदाज न करें, समय पर इलाज से फायदा, मरीजों ने साझा किए अनुभव

विश्व स्पाइन दिवस पर पटना में सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारियों से ठीक हुए 30 मरीजों को 'स्पाइन एम्बेसडर' सम्मान दिया गया। विशेषज्ञों ने स्पाइन की बीमारियों के कारण, नए इलाज और बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि कमर-गर्दन दर्द को नजरअंदाज न करें, समय पर इलाज से फायदा मिलता है। इस दौरान NMCH के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एनके सिंह ने आधुनिक तकनीकों पर जानकारी दी। वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. गौतम आर. प्रसाद ने समय पर पहचान और इलाज को जरूरी बताया। डॉ. प्रसाद के अनुसार, बढ़ती उम्र, खराब जीवनशैली, फ्रैक्चर, बोन टीबी और ट्यूमर आदि स्पाइन की बीमारियों के मुख्य कारण हैं। उन्होंने आगे कहा, 'महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी और अधिक शारीरिक काम भी इसकी वजह है।' डॉ. प्रसाद ने कहा कि कमर दर्द, गर्दन दर्द या हाथ-पैर में परेशानी होने पर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। यदि दर्द के कारण रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत हो रही है, तो स्पाइन विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

शारदीय नवरात्रः बांका में 1 लाख भक्तों ने किया जलाभिषेक

एजेंसी, पटना

शारदीय नवरात्र आज से शुरू हो गया। रविवार को आश्विन शुक्ल प्रतिपदा में चित्रा नक्षत्र, वैधृति योग और द्विपुष्कर योग के साथ बव करण, तुला लग्न का संयोग बन रहा है। इस बार नवरात्र 10 दिनों का होगा। दो दिन अष्टमी तिथि होने से 10 दिन तक देवी माता की उपासना होगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवरात्रि पर्व में तिथि का बढ़ना शुभ माना गया है। पटना के पटन देवी मंदिर में भक्तों की 200 मीटर लंबी लाइन लगी। वहीं नवरात्र के पहले दिन बांका के तिलडीहा दुर्गा मंदिर माता के दर्शन और जलाभिषेक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। बताया जा रहा है कि 1 लाख से अधिक भक्तों ने जलाभिषेक किया।

वहीं बक्सर से हादेवा घाट पर गंगा स्नान और कलश भरने वालों की लोगों की भीड़ देखी गई। इधर बगहा जिले में रविवार को कलश यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भैरोगंज थाना क्षेत्र के सासाराम गांव से रामनगर थाना क्षेत्र के खटौरी गांव जा रही कलश यात्रा में शामिल बच्चे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। हादसे में दो नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 18 बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जेपी का नाम लेने वाले अनेक लेकिन उनके विचारों को नीति और व्यवहार में उतारने वाले सिर्फ नीतीश कुमारः उमेश सिंह कुशवाहा

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में शनिवार को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं संपूर्ण क्रांति के प्रणेता, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों एवं आदर्शों को स्मरण किया। इस अवसर पर उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण जीवन अन्याय, शोषण और तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक रहा है। देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आपातकाल के दौर तक उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनता के अधिकारों के लिए निर्णायक संघर्ष किया। आपातकाल के कठिन दौर में उन्होंने देश की जनतांत्रिक चेतना को जागृत कर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज देश की राजनीति में जयप्रकाश नारायण का नाम लेने वाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन उनके विचारों और आदर्शों को शासन की नीतियों के माध्यम से धरातल पर उतारने का काम सिर्फ नीतीश कुमार ने किया है। उन्होंने जेपी के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। उनके नेतृत्व में बिहार में न्याय के साथ विकास और समाज के सभी वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में निरंतर काम किया गया है। उमेश कुशवाहा ने कहा कि लोकनायक जेपी की जयंती उनके विचारों और आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का दिन है। हमें उनके संघर्ष, त्याग और लोकतंत्र के प्रति अटूट निष्ठा से प्रेरणा लेते हुए उनके मूल्यों को अपने आचरण और सार्वजनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। यही लोकनायक जयप्रकाश नारायण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी, पूर्व विधायक विक्रम कुँवर, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा, जेपी सेनानी अशोक भगत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

त्योहारों पर मुफ्त सफर कराएगी मोतिहारी पुलिस, तीन बस सेवाएं शुरू

रेलवे स्टेशन से दो और छतौनी बस स्टैंड से चलेगी एक बस, एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी। दुर्गापूजा, दीपावली, काली पूजा और छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए मोतिहारी पुलिस ने तीन निःशुल्क बस सेवाएं शुरू की हैं। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पुलिस केंद्र से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन से दो बसों का परिचालन किया जाएगा, जबकि एक बस छतौनी बस स्टैंड से चलेगी। इन बसों के माध्यम से यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। त्योहारों के दौरान घर आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में निःशुल्क बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को आवागमन में सहूलियत मिलने की उम्मीद है। खासकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पहुंचने या वहां से आगे जाने वाले लोगों को इस व्यवस्था से लाभ मिल सकता है। पुलिस अधीक्षक ने आमजनों की सुविधा और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस सेवा की शुरुआत की। पुलिस की इस पहल को त्योहारों के दौरान यात्रियों की मदद की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस की ओर से बसों के निर्धारित रूट, परिचालन का समय और सेवा की अंतिम तिथि के संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। यात्रियों को इन विवरणों की जानकारी मिलने के बाद सेवा का लाभ उठाने में और आसानी होगी।

कलश यात्रा देखने पहुंचे युवक की बागमती नदी में डूबने से लापता, तलाश जारी

बीएनएम @ शिवहर। जिले के तरियानी थाना क्षेत्र अंतर्गत मोतनाजे घाट पर बागमती नदी में डूबने से 20 वर्षीय युवक लापता हो गया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए और युवक की तलाश शुरू कर दी। वहीं, प्रशासन की ओर से भी राहत एवं बचाव कार्य के प्रयास किए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर कोठिया गांव निवासी बुधन शाह का 20 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार मोतनाजे घाट पर आयोजित कलश यात्रा के दौरान जलबोझी देखने पहुंचा था। इसी दौरान वह बागमती नदी में स्नान करने लगा। नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और डूबकर लापता हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण नदी में उसकी तलाश में जुट गए। युवक के नदी में डूबने की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, गांव में भी शोक का माहौल है। परिजन और ग्रामीण युवक के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। स्थानीय लोग अपने स्तर से लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं। इस संबंध में तरियानी थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार गुप्ता एवं अंचलाधिकारी रोहन रंजन ने बताया कि लापता युवक की तलाश की जा रही है। खोज अभियान में तेजी लाने के लिए एसडीआरएफ टीम को बुलाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से युवक को जल्द से जल्द बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि युवक की बरामदगी के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मोतनाजे घाट पर स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बागमती नदी में युवक की तलाश जारी है।

सिकटा में जर्जर पुल से हादसे की आशंका, मरम्मत की मांग तेज

बीएनएम @ सिकटा। प्रखंड क्षेत्र की सुगहा भवानीपुर और मसवास पंचायत के बीच रामगढ़वा-सिकटा मुख्य मार्ग पर स्थित पुल जर्जर हालत में है। पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण पुल की दीवारें और किनारे टूटने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। पुल की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से पुल की मरम्मत नहीं होने के कारण इस मार्ग से आवागमन जोखिम भरा हो गया है। इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। ऐसे में पुल की जर्जर स्थिति कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से पुल का निरीक्षण कर जल्द मरम्मत कराने अथवा आवश्यकता के अनुसार पुनर्निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस पहल नहीं की गई, तो किसी गंभीर दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुल की मरम्मत की मांग को लेकर आवाज उठाने वालों में नंदकिशोर यादव, दीनानाथ साह, गर्जन मियां, शिवशंकर पटेल, महमूद मियां, चमन पाण्डेय, शशिभूषण पाण्डेय, रंजीत ओझा, विकास ओझा, तापु ओझा और प्रदीप यादव सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से अविलंब पहल कर पुल को सुरक्षित बनाने की अपील की है, ताकि लोगों का आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सके।

अरेराज में ठेले पर अज्ञात शव ले जाने का वीडियो वायरल, पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में शव को ठेले पर ले जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। रघुनाथपुर में सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति का शव ठेले पर ले जाने का मामला अभी विवादों में ही था कि अब अरेराज से जुड़ा एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पुलिस अभिरक्षा में एक अज्ञात शव को शव वाहन के बजाय ठेले पर ले जाते हुए दिखाया जा रहा है। हालांकि, बॉर्डर न्यूज मिरर (बीएनएम) इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली और मृतक के शव के सम्मानजनक परिवहन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों के बीच यह चर्चा है कि यदि शव वाहन उपलब्ध नहीं था, तो शव को ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई। हालांकि, वीडियो कब का है, घटना किस स्थान की है और शव को ठेले पर ले जाने की वास्तविक वजह क्या थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि किसी अज्ञात शव के मामले में पहचान और कानूनी प्रक्रिया जितनी जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण शव का सम्मानजनक परिवहन भी है। ऐसी परिस्थितियों में प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि उपलब्ध संसाधनों के अनुसार उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मृतक की गरिमा बनी रहे। फिलहाल, वायरल वीडियो को लेकर पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। वीडियो की सत्यता और उसमें दिख रहे घटनाक्रम की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। यदि वीडियो में दिखाया गया घटनाक्रम सही पाया जाता है, तो यह जांच का विषय होगा कि शव वाहन के बजाय ठेले का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में किया गया और इसके लिए जिम्मेदार कौन था।

पलनवा में चोरी की बोलेरो का खुलासा, तीन गिरफ्तार; चेसिस-इंजन नंबर में हेराफेरी से खुला राज

सौनाहा में घर के दरवाजे पर खड़ी थी संदिग्ध बोलेरो, HHD मशीन से जांच में सामने आया अंतर

बीएनएम @ मोतिहारी

चोरी की गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई में पलनवा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सौनाहा गांव में छापेमारी कर चोरी की होने के संदेह वाली एक बोलेरो बरामद की है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वाहन की जांच के दौरान चेसिस और इंजन नंबर में भिन्नता मिलने के बाद पुलिस का शक गहरा गया। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि सौनाहा गांव में अजय कुमार यादव के घर के दरवाजे पर खड़ी बोलेरो चोरी की है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। इसके बाद HHD मशीन से वाहन की जांच की गई। जांच में बोलेरो के चेसिस नंबर और इंजन नंबर में अंतर पाया गया। इसके बाद पुलिस ने वाहन को संदिग्ध मानते हुए कार्रवाई की और मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

दो पूर्वी चंपारण और एक पश्चिमी चंपारण का निवासी–गिरफ्तार आरोपितों में सौनाहा निवासी अजय कुमार यादव, पिता अवधेश यादव; पखनहिया निवासी राजू कुमार, पिता शंभू साह, दोनों पलनवा थाना क्षेत्र के निवासी; तथा पश्चिमी चंपारण जिले के कंगाली थाना क्षेत्र के गम्हरिया निवासी किशोरी मुखिया, पिता चंद्रदेव मुखिया शामिल हैं। पुलिस अब बरामद बोलेरो के वास्तविक मालिकाना हक और उसके चेसिस व इंजन नंबर में मिली भिन्नता के कारणों की जांच कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वाहन कहां से चोरी हुआ था और उसके नंबरों में अंतर कैसे आया।

मैत्री पुल पर नशे के कारोबार का भंडाफोड़, 365 प्रतिबंधित इंजेक्शन के साथ तीन गिरफ्तार

» रक्सौल में हरैया पुलिस की कार्रवाई, महिंद्रा कार की पिछली सीट के नीचे बने तहखाने से मिली खेप; नेपाल से लाए जाने की सूचना पर हुई जांच

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हरैया थाना पुलिस ने मैत्री पुल के पास एक महिंद्रा कार से 365 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से तीन आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार भी जब्त की है। बरामद इंजेक्शन कार की पिछली सीट के नीचे बने गुप्त तहखाने में दो सफेद कार्टन में छिपाकर रखे गए थे। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि नेपाल की ओर से मैत्री पुल के रास्ते एक महिंद्रा कार में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन छिपाकर रक्सौल लाए जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष कुमार आनंद के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने मैत्री पुल के पास वाहन जांच शुरू की। इस दौरान दिल्ली नंबर की महिंद्रा कार (रजिस्ट्रेशन नंबर DL4CNB4636) को रोककर रक्सौल के अंचलाधिकारी अरविंद कुमार की मौजूदगी में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट के नीचे बने तहखाने से दो सफेद कार्टन बरामद हुए। इनमें कुल 365 नशीले इंजेक्शन रखे गए थे। पुलिस ने कार सवार तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बंजरिया थाना क्षेत्र के तीनों आरोपित–गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के फुलवार चितहा निवासी घुरूप यादव, पिता निमान यादव; फुलवार निवासी चंद्रशेखर प्रसाद, पिता रामइकबाल प्रसाद; और फुलवार निवासी बुद्ध कुमार, पिता भिखारी पासवान के रूप में हुई है। कार्रवाई में रक्सौल एसडीपीओ मनीष कुमार आनंद, अंचलाधिकारी अरविंद कुमार, छौड़ादानों अंचल पुलिस निरीक्षक रंजय कुमार, एसएसबी की 47वीं वाहिनी पनटोका के निरीक्षक चोथमल कुमावत, हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान तथा एसएसबी के जवान शामिल थे। पुलिस के अनुसार, मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बरामद इंजेक्शनों के प्रकार, उनकी कुल मात्रा और खेप से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही तस्करी के नेटवर्क की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

शिकारगंज में बड़ा हादसाः कछुआ नदी की पुलिया धंसी, एक युवक की मौत, तीन घायल

घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे थानाध्यक्ष, मुखिया और पंसस भी चोटिल; इलाके में मचा कोहराम

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के शिकारगंज थाना क्षेत्र के भलुअहीया गांव के सरेह में कछुआ नदी पर बनी पुलिया अचानक धंस जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं, हादसे को लेकर ग्रामीणों में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भलुअहीया गांव के सरेह में कछुआ नदी पर बनी पुलिया अचानक भरभरा कर धंस गई। इस दौरान हुए हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर किए जाने की सूचना है। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई। घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे शिकारगंज थानाध्यक्ष, संबंधित मुखिया और पंचायत समिति सदस्य (पंसस) के भी निरीक्षण के दौरान चोटिल होने की सूचना है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई। हादसे के बाद पुलिया की स्थिति और उसके धंसने के संभावित कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन की ओर से मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिया के निर्माण, उसकी मौजूदा हालत और दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच किए जाने की आवश्यकता है। इस दर्दनाक हादसे ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। ग्रामीणों ने पुलिया की स्थिति की जांच कर जिम्मेदारी तय करने तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

समकालीन अभियान में हरसिद्धि पुलिस की कार्रवाई, 11 वारंटी व आरोपित गिरफ्तार

शराबबंदी कानून से लेकर विभिन्न कांडों में वांछित आरोपितों पर कार्रवाई, न्यायालय में पेशी के लिए भेजे गए सभी गिरफ्तार लोग

बीएनएम @ हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 11 वारंटी और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में शराबबंदी कानून के एक आरोपित के साथ विभिन्न आपराधिक कांडों और न्यायालयी मामलों में वांछित लोग शामिल हैं। पुलिस ने सभी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान हरसिद्धि थाना कांड संख्या 324/25, दिनांक 28 मई 2025 के मामले में सेमरा वार्ड नंबर दो निवासी बबली राम (55), पिता संतु राम और मीना देवी (53), पति बदरी राम को गिरफ्तार किया गया। वहीं, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 502/26, दिनांक 10 अक्टूबर 2026, बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के मामले में पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने टीआर संख्या 419/26 के मामले में पानापुर मलाही टोला निवासी प्रयाग सनी, पिता राम जन्म साहनी और रिंकू देवी, पति सुनील साहनी को गिरफ्तार किया। इसके अलावा टीआर संख्या 739/26 के मामले में मेहता टोला, वार्ड नंबर चार निवासी अजीत कुमार (34), पिता नंदलाल प्रसाद और रामाधार प्रसाद (58), पिता दुर्गा प्रसाद को पकड़ा गया। इसी क्रम में कंप्लेंट केस संख्या 318/22/23 के वारंटी माधोपुर निवासी मोहम्मद सद्दाम हुसैन, पिता सतार मियां को गिरफ्तार किया गया। सीआईएस संख्या 450/16 के मामले में सेवराहा बाजार निवासी ग्रुप देवता, स्वर्गीय यदुनंदन साह के पुत्र को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं, टीआर संख्या 3486/26 के मामले में मिश्री टोला निवासी मराछी देवी, पति स्वर्गीय रामायण महतो और कांति देवी, पति तपेश्वर महतो को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के अनुसार, अभियान के तहत गिरफ्तार सभी 11 लोगों को न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया है।

पलनवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी व हत्या के प्रयास में छह गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा

पलनवा थाना पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत चोरी, हत्या के प्रयास और वारंट के मामलों में कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी के मामले में एक बोलेरो गाड़ी (BR29R 3619) और उसका पंजीकरण प्रमाण पत्र भी बरामद किया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि कांड संख्या 198/26 में चोरी के आरोप में उत्तम कुमार यादव, राजू कुमार और किशोरी मुखिया को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कांड संख्या 71/26 में हत्या के प्रयास के मामले में सिसवनिया निवासी मनोज गद्दी और करीम गद्दी को पकड़ा गया। इसके अलावा टीआर नंबर 8253/22 के वारंटी लौकरिया निवासी राजंदन साह उर्फ घुठी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मचा है।

माता के जयकारों से भक्तिमय हुआ तुरकौलिया दो दर्जन स्थानों पर शुरू हुआ नवरात्र अनुष्ठान

बीएनएम @ तुरकौलिया

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को प्रखंड क्षेत्र में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही माता के जयकारों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा इलाका भक्तिमय हो उठा। विभिन्न पूजा समितियों की ओर से निकाली गई भव्य कलश यात्राओं में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रखंड क्षेत्र में करीब दो दर्जन स्थानों पर नवरात्र अनुष्ठान का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ किया गया। कलश यात्राओं में कुंवारी कन्याओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने धार्मिक आयोजनों की भव्यता बढ़ा दी। बोरिंग चौक पूजा समिति की ओर से निकाली गई कलश यात्रा में 751 कन्याएं शामिल हुईं, जबकि निमुइया पूजा समिति की यात्रा में 501 कुंवारी कन्याओं ने हिस्सा लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कन्याओं की कतारें और श्रद्धालुओं के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। विभिन्न पूजा समितियों की ओर से निकाली गई कलश यात्राएं निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए पवित्र नदी तट पर पहुंचीं। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश में जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु कलश लेकर पूजा पंडालों में पहुंचे, जहां पूरे विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। इसके साथ ही मां दुर्गा की आराधना और नौ दिवसीय नवरात्र अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। तुरकौलिया बाजार, मुख्य चौक, शंकर सरैया, माधोपुर, जयसिंहपुर, महानवा, कवलपुर चौक और बड़हरवा समेत प्रखंड के विभिन्न गांवों और चौक-चौराहों पर कलश यात्राएं निकाली गईं। शोभायात्राओं के गुजरने के दौरान स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। जगह-जगह उमड़ी भीड़ और गूंजते जयकारों ने नवरात्र के उत्सवी माहौल को और भी आकर्षक बना दिया। धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति, सौहार्द और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तथा प्रखंड प्रशासन की टीम सक्रिय रही। वहीं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। नवरात्र के पहले दिन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और सामूहिक सहभागिता का सशक्त उदाहरण बना।

तलवारबाजी में राइजिंग स्टार स्कूल का जलवा, एक स्वर्ण सहित 11 पदक पर कब्जा

तिरहुत प्रमंडल स्तरीय विद्यालय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने लहराया परचम, राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए हुआ चयन

बीएनएम @ मोतिहारी

तिरहुत प्रमंडल स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता की तलवारबाजी स्पर्धा में राइजिंग स्टार आउटरीच ऑफ इंडिया स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्वी चंपारण का प्रतिनिधित्व करते हुए खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और 10 रजत सहित कुल 11 पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी किया गया है। प्रतियोगिता में राबिता कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। वहीं, निखिल कुमार, सोनू कुमार, पवन कुमार, रौशनी खातून, बिंदिया कुमारी, सुनीता कुमारी, सपना कुमारी, सीता कुमारी, मदीना खातून और निशा खातून ने रजत पदक हासिल किए।

पदक जीतने पर विद्यालय में खुशी–खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और पूर्वी चंपारण तलवारबाजी संघ ने प्रसन्नता जताई। विद्यालय की एरिया मैनेजर सुकु ठनकाप्पन, प्राचार्य श्रीकांत पाठक, धुनमून सिंह, पीटीआई निशांत कुमार, तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह, डायरेक्टर राजू सिंह, संघ के सचिव शुभम सिंह, मुख्य संरक्षक अंशु शेखर तथा संघ के सदस्य दीपक कश्यप, प्रवीण गुप्ता, परवेज आलम और पवन कुमार ने पदक विजेताओं को बधाई दी। खेलो इंडिया के कोच राजन कुमार सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों के समर्पण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद–खिलाड़ियों के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने से विद्यालय और जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह है। विद्यालय प्रबंधन एवं तलवारबाजी संघ ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी राज्य स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पूर्वी चंपारण का गौरव बढ़ाएंगे।

मां दुर्गा की कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे हुए शामिल

» जयकारों से गूंजा सिकटा बाजार, सुख-समृद्धि की कामना के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

बीएनएम@ सिकटा (पश्चिम चंपारण)

सिकटा बाजार स्थित सोनार पट्टी दुर्गा पूजा पंडाल मंदिर से रविवार को मां दुर्गा के आगमन के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्री राम सेना दुर्गा पूजा समिति के नेतृत्व में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मां भगवती के जयकारों से पूरा सिकटा बाजार गूंज उठा और क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे शामिल हुए। उनके आगमन से आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। यात्रा में क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट करते हुए क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से ओतप्रोत कलश यात्रा के दौरान पूरा इलाका मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन में शामिल लोगों ने मां भगवती से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने तथा क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर शिवेंद्र शिशु, संतोष कुमार श्रॉफ, सत्यप्रकाश श्रॉफ, मंटू कुमार, प्रकाश कुमार, मधु श्रॉफ, गणेश कुमार, बुनिलाल पासवान और संदीप कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्री राम सेना दुर्गा पूजा समिति के नेतृत्व में आयोजित इस कलश यात्रा ने सिकटा में दुर्गा पूजा के उत्सवी माहौल को और उल्लासपूर्ण बना दिया। श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी ने मां दुर्गा के प्रति लोगों की गहरी आस्था और धार्मिक उत्साह को प्रदर्शित किया।

551 कुमारी कन्याओं की भव्य कलश यात्रा से भक्तिमय हुआ जिहुली, जयकारों से गूंजा पूरा इलाका

गाजे-बाजे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली कलश यात्रा, मां भगवती की भक्ति में सराबोर दिखे श्रद्धालु

बीएनएम@ पताही

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर पताही प्रखंड की जिहुली पंचायत में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। नवयुवक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी 551 कुमारी कन्याओं की भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे, वैदिक मंत्रोच्चार और मां भगवती के गगनभेदी जयकारों के बीच निकली इस कलश यात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा का शुभारंभ जिहुली बाजार स्थित दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण से हुआ। पारंपरिक वेशभूषा और सिर पर कलश धारण किए कुमारी कन्याएं श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शिवहर जिले के बेलवा स्थित लालबकेया-बागमती संगम तट पहुंचीं। वहां पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्याओं ने अपने-अपने कलश में पवित्र जल भरा। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल कन्याओं और युवाओं के उत्साह तथा श्रद्धालुओं की उमंग देखते ही बन रही थी। कलश यात्रा के दौरान 'जय दुर्गे', 'जय भवानी' और मां भगवती के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। नवरात्र के पारंपरिक भजनों और भक्तिमय गीतों ने श्रद्धालुओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। मां आदिशक्ति के प्रति अटूट श्रद्धा मन में लिए निकलीं कुमारी कन्याओं की भव्य कतार ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना दिया। यात्रा जिहुली बाजार स्थित दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण से निकलकर ब्रह्मस्थान, महारानी स्थान सहित गांव के विभिन्न धार्मिक स्थलों और मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान पंचायत के विभिन्न इलाकों में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। यात्रा जिस रास्ते से गुजरती, वहां मां भगवती के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो जाता। भव्य कलश यात्रा को देखने के लिए ग्रामीण सड़क किनारे खड़े नजर आए। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ यात्रा का स्वागत किया और मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। कलश यात्रा का नेतृत्व जिहुली सार्वजनिक दुर्गा स्थान के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह के साथ समिति के सदस्य हरिशंकर सिंह उर्फ नागा, सुरेश सिंह, श्रीनाथ शर्मा, पंचायत समिति सदस्य पद्माक्ष रंजन उर्फ शास्त्री, अभिराज कुमार उर्फ तंतु सिंह, रजनीश कुमार, ऋतुराज सिंह, पंकज सिंह, नीरज सिंह और छोटेलाल ठाकुर सहित अन्य सदस्यों ने किया। पूरे आयोजन में पूजा समिति के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। पंचायत का भ्रमण करने के बाद कलश यात्रा पुनः दुर्गा स्थान पहुंची, जहां विधिवत रूप से इसका समापन हुआ। नवरात्र के प्रथम दिन आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन ने पूरे जिहुली पंचायत को मां दुर्गा की भक्ति के रंग में रंग दिया। कलश यात्रा को लेकर दुर्गा स्थान पूजा समिति की ओर से मंदिर परिसर की साफ-सफाई कराई गई थी, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की परेशानी न हो। वहीं, आयोजन के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार के निर्देश पर पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। समिति के सदस्यों और प्रशासन के सहयोग से कलश यात्रा शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

हत्या के प्रयास और वारंट के मामलों में पुलिस की कार्रवाई, सात गिरफ्तार

बीएनएम@ रामगढ़वा

स्थानीय थाना पुलिस ने अपराध नियंत्रण और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न मामलों में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष संजीव मौवार ने बताया कि थाना कांड संख्या 449/26, शराब अधिनियम के तहत भेड़िहरी गांव निवासी झापस यादव, पिता हरदयाल यादव तथा नंदलाल यादव, पिता शंकर यादव को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, हत्या के प्रयास के मामलों में भी पुलिस ने कार्रवाई की है। कांड संख्या 374/26 के आरोपित बेला गांव निवासी मंजेश कुमार, पिता दसई राम को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा कांड संख्या 423/26 में पचभेड़िया गांव निवासी जितेंद्र कुमार एवं मनोज साह, दोनों पिता कमल साह, को पुलिस ने हिरासत में लिया। कांड संख्या 338/26 के आरोपित श्यामपुर गांव निवासी शुभेंदु द्विवेदी, पिता वीरेंद्र द्विवेदी, थाना नौतन, जिला पश्चिमी चंपारण को भी गिरफ्तार किया गया है। इधर, टीआर नंबर 969/25 के वारंटी सिंहासिनी गांव निवासी रतन पासवान, पिता स्वर्गीय मोहन पासवान को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि विभिन्न मामलों में आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है।

शारदीय नवरात्र पर निकली भव्य कलश शोभायात्रा

बीएनएम@ रामगढ़वा

शारदीय नवरात्र के अवसर पर रविवार को रामगढ़वा बाजार में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा की शुरुआत रामगढ़वा बाजार स्थित शंकर मंदिर पूजा स्थल से वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में कुंवारी कन्याओं और सुहागिन महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच निकली शोभायात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए शरबत और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। शोभायात्रा निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए जलभरी के लिए तय पवित्र स्थल पर पहुंची। वहां विधि-विधान से जल भरने के बाद श्रद्धालु कलश लेकर वापस मुख्य पूजा स्थल पहुंचे, जहां कलश स्थापित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना तूफानी, जगदीश प्रसाद, रवि कुमार, आयुष कुमार समेत समिति के अन्य सदस्यों और स्थानीय युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशासन के सहयोग से पूरी शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

दहेज प्रताड़ना के आरोप में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

» 15 लाख रुपये नकद, चारपहिया वाहन और सोने के सामान की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

बीएनएम@ मेहसी

रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में शादी के महज आठ महीने बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान शिखा के रूप में हुई है। मामले में मृतका के भाई सत्यकाम ने रघुनाथपुर थाने में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना करने और कथित रूप से जहरीला पदार्थ पिलाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन के अनुसार, मेहसी थाना क्षेत्र के मोहब्बत छपरा निवासी सत्यकाम की छोटी बहन शिखा की शादी 25 फरवरी 2026 को रघुनाथपुर वार्ड संख्या- 4, दुर्गा मंदिर रोड निवासी प्रहलाद राय के बड़े पुत्र निशांत कुमार के साथ हुई थी। मृतका के भाई का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष की ओर से 15 लाख रुपये नकद, एक चारपहिया वाहन और सोने के सामान की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर शिखा को कथित रूप से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। सत्यकाम ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि 9 अक्टूबर को ससुराल में शिखा को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पिला दिया गया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे मोतिहारी स्थित शकुंतला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर छतौनी पुलिस भी अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। शिखा की स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों की सलाह से उसे बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर स्थित प्रशांत हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां रात करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम मोतिहारी सदर अस्पताल में कराया गया। रविवार को परिजनों की मौजूदगी में मेहसी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मामले में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई, 30 दुकानदारों से वसूला 15 हजार जुर्माना

बीएनएम@ अमलेश कुमार

रक्सौल। शहर के कौड़िहार चौक पर जाम की समस्या से निजात दिलाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी नागमणि कुमार वर्मा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद के नेतृत्व में रविवार को संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर आवागमन बाधित करने वाले दुकानदारों और वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर परिषद की ओर से कुल 30 दुकानदारों एवं वेंडरों से करीब 15 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान संबंधित दुकानदारों एवं वेंडरों को सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने अथवा दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कोडियार चौक के समीप स्थित पूजा पंडाल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने पंडाल में महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था करने तथा प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही पंडाल की संरचनात्मक मजबूती एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित आयोजकों को आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त करना सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशासन ने कहा कि कोडियार चौक पर यातायात को सुगम बनाने, अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण रखने और पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई भी जारी रहेगी।

आनन्द आश्रम का शुभारंभः बेसहारा बुजुर्गों को मिलेगा भोजन, वस्त्र, आवास और दवा का सहारा

» परिवार से बिछड़े और उपेक्षित बुजुर्गों के लिए उम्मीद की नई किरण बना आश्रम, समाज के सहयोग से सेवा और सम्मान का संकल्प

बीएनएम@ रक्सौल

समाज सेवा और मानवीय संवेदना की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए रविवार को रक्सौल में 'बुजुर्ग आनन्द आश्रम' का शुभारंभ किया गया। आश्रम का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता बिमल सर्राफ, डॉ. सुशील कुमार सिंह, बबन प्रसाद, अजय कुमार एवं उर्मिला देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अम्बुज गुप्ता, साबरा खातुन, श्वेता श्रीवास्तव, परमानन्द तिवारी एवं नेहा श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आनन्द आश्रम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परिवार से बिछड़े, अपनों की उपेक्षा के शिकार तथा आर्थिक तंगी के कारण बेसहारा जीवन जीने को मजबूर बुजुर्गों को सुरक्षित आश्रय और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जीवन के अंतिम पड़ाव में जिन बुजुर्गों के पास रहने के लिए घर नहीं है और जो भोजन एवं दवाओं के लिए दूसरों पर निर्भर हैं, उनके लिए यह आश्रम उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। आश्रम के माध्यम से जरूरतमंद बुजुर्गों को भोजन, कपड़े, रहने की व्यवस्था और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल उन्हें आश्रय देना ही नहीं, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा, सम्मान, अपनापन और बेहतर जीवन की उम्मीद जगाना भी है। समाज में आज भी ऐसे कई बुजुर्ग हैं, जिन्होंने जीवनभर अपने परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत की। लेकिन उम्र ढलने और शारीरिक क्षमता कमजोर होने के बाद कुछ बुजुर्गों को अकेलेपन, उपेक्षा और अभाव के बीच जीवन गुजारना पड़ता है। कई बुजुर्ग रेलवे स्टेशन, मंदिरों के आसपास, सड़कों और फुटपाथों पर रहने को विवश हो जाते हैं। उनके पास न नियमित आय होती है और न ही भोजन एवं इलाज की समुचित व्यवस्था। ऐसे में आनन्द आश्रम की स्थापना जरूरतमंद बुजुर्गों के प्रति समाज की जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। आनन्द आश्रम की मूल भावना है कि बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि समाज की अमूल्य धरोहर और अनुभव का भंडार माना जाए। जिस उम्र में उन्हें परिवार के स्नेह, सम्मान और देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, उस समय उनका अकेला पड़ जाना गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। आश्रम के माध्यम से जरूरतमंद बुजुर्गों की देखभाल, उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति और परिस्थितियों के अनुरूप उन्हें उनके परिवार से पुनः मिलाने की दिशा में भी प्रयास किए जाने का लक्ष्य है। यह पहल बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन देने के साथ-साथ समाज में संवेदनशीलता और पारिवारिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश देती है। आनन्द आश्रम की व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने और अधिक से अधिक जरूरतमंद बुजुर्गों तक सहायता पहुंचाने के लिए समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, व्यवसायियों, सामाजिक संगठनों एवं दानदाताओं से सहयोग की अपील की गई है। बुजुर्गों के भोजन, वस्त्र, बिस्तर, दवा और अन्य दैनिक जरूरतों को पूरा करने में जनसहयोग की अहम भूमिका होगी। आश्रम की यह पहल संदेश देती है कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान केवल उसकी आर्थिक उन्नति से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने कमजोर, असहाय और जरूरतमंद लोगों के प्रति कितना संवेदनशील है। आनन्द आश्रम के माध्यम से यह संकल्प लिया गया है कि यथासंभव कोई बुजुर्ग भूखा न सोए, बेघर न रहे और दवा के अभाव में पीड़ा न सहे। समाज के लोगों का छोटा-सा सहयोग भी किसी बुजुर्ग के जीवन में आशा, सम्मान और मुस्कान ला सकता है।

नीमा की जनरल बॉडी मीटिंग में संगठन की मजबूती पर मंथन, 134 नए आजीवन सदस्यों को मिला प्रमाण-पत्र

आयुष चिकित्सकों के अधिकारों और समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा, एकजुट होकर कार्य करने का लिया संकल्प

बीएनएम@ निरज आनंद

मोतिहारी। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा), पूर्वी चंपारण की जनरल बॉडी मीटिंग रविवार को मोतिहारी स्थित आईएमए हॉल में जिला अध्यक्ष डॉ. अब्दुल खबीर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में संगठन के सत्र 2024-2026 के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही, संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने, आयुष चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर 134 नए आजीवन सदस्यों के बीच सदस्यता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। बैठक की शुरुआत नीमा के दिवंगत सदस्यों एवं उनके परिजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मौन रखकर उन्हें नमन किया। इस दौरान नीमा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नवल किशोर यादव को विशेष रूप से याद किया गया। बैठक में नीमा, पूर्वी चंपारण के सचिव डॉ. एम.एस. मिन्नातुल्लाह ने सत्र 2024-2026 के दौरान संगठन की ओर से किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस अवधि में 134 नए सदस्यों ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। संगठन को अधिक सक्रिय, सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। इसके साथ ही, संगठन के संज्ञान में आई सदस्यों की समस्याओं के समाधान के लिए भी हरसंभव पहल की गई। इस अवसर पर नीमा के कोषाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार ने नए आजीवन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने संगठन से जुड़ी अपनी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को भी साझा किया। इन विषयों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने पर जोर दिया गया। जिला अध्यक्ष डॉ. अब्दुल खबीर ने आयुष चिकित्सकों के अधिकारों, उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों तथा समस्याओं के समाधान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सदस्यों के बीच आपसी एकजुटता, सहयोग और सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी चिकित्सकों से संगठन के हित में मिल-जुलकर कार्य करने तथा सामूहिक प्रयासों के माध्यम से चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल करने की अपील की। बैठक में डॉ. एम.यू. अख्तर, डॉ. अनवारुल हक, डॉ. तनवीर, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. अतीकुर रहमान, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. ताहेरा तबस्सुम, डॉ. दीपक कुमार एवं डॉ. नौसाद सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार रखे। इस दौरान संगठन की भावी कार्ययोजना, सदस्यों की भागीदारी बढ़ाने तथा चिकित्सकों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर भी बल दिया गया। बैठक में नीमा अध्यक्ष डॉ. अब्दुल खबीर, सचिव डॉ. एस.एम. मिन्नातुल्लाह, कोषाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. मोतिउर रहमान, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. शकील अहमद, डॉ. वी.पी. सिंह, डॉ. खैरुल होदा, डॉ. संजय कुमार, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. फैसल परवाज खान, डॉ. राघवेन्द्र, डॉ. हरिनारायण, डॉ. जमालुद्दीन अशरफ, डॉ. इकबाल, डॉ. गुलरेज कमर, डॉ. आदिल खान एवं डॉ. विवेक कुमार समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। अंत में डॉ. एम.यू. अख्तर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक का समापन संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, सदस्यों की समस्याओं के समाधान तथा आयुष चिकित्सकों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से निरंतर प्रयास करते रहने के संकल्प के साथ हुआ।

चुनाव बहिष्कार पेचीदा सवाल

चुनाव बहिष्कार एक पेचीदा सवाल है, जिस पर बहस तो ठीक है, लेकिन जल्दबादी में फैसला उचित नहीं होगा। चुनाव बहिष्कार जैसे चरम कदम पर सोचने के पहले तमाम संभव विकल्पों को आजमाना सही रास्ता होगा। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दीपके के विपक्ष से चुनाव बहिष्कार के आह्वान ने बहुत से लोगों के मन में चल रही इस बात को उनकी जुबान पर ला दिया है। दीपके का तर्क है कि जिस तरह से देश में चुनाव कराए जा रहे हैं, उसमें विपक्ष के लिए वैसे भी कोई गुंजाइश नहीं बची है। उनके मुताबिक जब खुद विपक्षी नेता अनेक चुनावों के बारे में मानते हैं कि उन्हें चुरा लिया गया, तो आगे चोरी की संभावना वाले चुनावों में भाग लेने का क्या मतलब है? क्या ऐसा करके विपक्ष पहले से तय परिणाम को वैधता प्रदान नहीं कर रहा है? इस समय जो माहौल है, उसमें जनमत के बहुत बड़े हिस्से को इन बातों में दम नजर आता है। लेकिन एक दूसरी, उतनी ही मजबूत राय है कि देश में इतनी अधिक संख्या में पार्टियां हैं कि सबको बायकॉट के लिए राजी करना कठिन होगा। अगर इंडिया एलायंस सहमत हो भी जाता है, तो संभव है कि अनेक छोटे दल 'विपक्ष का रोलÓ अदा करने के लिए मैदान में बने रहें। बहिष्कार का एक और परिणाम होगा भाजपा की एकतरफा जीत सुनिश्चित होना, जिससे वह मनमाने विधायी पहल या संविधान संशोधन में सक्षम हो जाएगी। चूंकि जनता से लगातार जुड़ाव, उनके बीच पैठ, और उनकी गोलबंदी की सियासत खासकर विपक्षी दलों ने बहुत पहले से छोड़ रखी है, इसलिए बहिष्कार को तुरंत जन आंदोलन में तब्दील करने की उनकी क्षमता संदिग्ध है। ऐसे में वैधता का सवाल कभी जन मुद्दा बना भी, तो उसमें काफी देर हो सकती है। फिर बांग्लादेश जैसे जिन देशों में प्रमुख विपक्षी दलों ने बहिष्कार का रास्ता चुना, वहां जो बाद में हुआ, वह कोई चमकती हुई मिसाल नहीं है। ऐसे में फिलहाल जनता के बीच जाकर दीर्घकालिक नजरिए से बुनियादी मुद्दों पर जागरूकता लाना एवं संगठन तैयार करना कहीं बेहतर रास्ता हो सकता है। कुल मिलाकर बहिष्कार एक पेचीदा सवाल है, जिस पर बहस तो ठीक है, लेकिन जल्दबादी में फैसला उचित नहीं होगा। चुनाव बहिष्कार जैसे चरम कदम पर सोचने के पहले तमाम संभव विकल्पों को आजमाना सही रास्ता होगा।

पापाचार, अत्याचार, भ्रष्टाचार और प्राकृतिक आपदाओं से त्रस्त समाज को मां दुर्गा की शक्ति, करुणा और न्याय की आवश्यकता

मां का अभिप्राय केवल 'मांÓ से ही हो सकता है। न उसका कोई वास्तविक पर्याय है और न ही उसके वात्सल्य की कोई सीमा। मां के दर्द को मां ही समझ सकती है। और जब बात जगज्जननी मां दुर्गा की हो, तो उनका स्वरूप करुणा, ममता, शक्ति और न्याय का अद्भुत संगम बन जाता है। जगज्जननी माता दुर्गा का प्राकट्य देवताओं के कल्याण, भक्तों को अभयदान देने और असुर शक्तियों का विनाश करने के लिए हुआ है। उनका उद्देश्य अपने बच्चों का मंगल करना, उनके विघ्न दूर करना और उनके जीवन को सुखमय बनाना है।

इसी भाव को ध्यान में रखते हुए दुर्गा सप्तशती में कहा गया है—'चित्ते कृपा समर निष्ठुरता च।Ó अर्थात मां के हृदय में करुणा है, लेकिन धर्म और न्याय की रक्षा के लिए युद्ध के समय वे निष्ठुर भी हो जाती हैं। उनके व्यक्तित्व मेंममता और दुष्ट शक्तियों के विनाशका यह अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

देवी भागवत पुराण में महाशक्ति का व्यापक स्वरूपः देवी के विविध स्वरूपों और उनकी महिमा का विस्तृत वर्णन देवी भागवत पुराण में मिलता है। महर्षि वेदव्यास रचित इस पुराण में देवी की उपासना, उनकी शक्ति, सृष्टि की उत्पत्ति और जगत के संचालन से संबंधित अनेक प्रसंग हैं। इसमें आदिशक्ति के विभिन्न रूपों का वर्णन करते हुए बताया गया है कि वे ही सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार की मूल शक्ति हैं। देवी भागवत पुराण के नवम स्कंध में देवी के अनेक स्वरूपों का उल्लेख मिलता है। इनमें दुर्गा, राधा, लक्ष्मी, सरस्वती और सावित्री के रूप प्रमुख हैं। गंगा, तुलसी, षष्ठी, मंगलचंडिका, काली, स्वाहा, स्वधा, पुष्टि, तुष्टि और संपत्ति आदि को भी देवी की विभिन्न शक्तियों के रूप में देखा गया है। इस पुराण के श्रवण के लिए किसी विशेष महीने या दिन का बंधन नहीं है। फिर भी आश्विन, चैत्र, वैशाख और ज्येष्ठ के महीनों तथा नवरात्र के अवसर पर इसका श्रवण विशेष फलदायी माना गया है। विद्या, धन, बल और ऐश्वर्य को भी इसी पराशक्ति की कृपा से प्राप्त होने वाला बताया गया है।

देवी की आराधना से मिलती है मुक्तिः मां भगवती की उपासना के लिए शास्त्रों में विभिन्न विधियों और उपचारों का वर्णन किया गया है। देवी की कृपा प्राप्त करने के लिए भक्त मंत्रों के माध्यम से उनका आह्वान करते हैं और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। दुर्गा सप्तशती में महर्षि मार्कण्डेय द्वारा राजा सुरथ और समाधि वैश्य के प्रसंग के माध्यम से देवी की आराधना का महत्व बताया गया है। उनकी विपत्तियों को दूर करने के लिए देवी की उपासना को महत्वपूर्ण साधन बताया गया है। इसी संदर्भ में कहा गया है—'सैषा प्रसन्ना वरदा नृणां भवति मुक्तये।Ó अर्थात वरदान देने वाली भगवती प्रसन्न होकर मनुष्यों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। यह संदेश देता है कि श्रद्धा, साधना और सद्कर्म के माध्यम से मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मबल प्राप्त कर सकता है।

एक ही महाशक्ति के अनेक रूपः दुर्गा सप्तशती में देवी को संपूर्ण जगत में व्याप्त एकमात्र महाशक्ति बताया गया है। दशम अध्याय में जब शुंभ देवी से कहता है कि वे दूसरी शक्तियों के सहारे युद्ध कर रही हैं, तब देवी उत्तर देती हैं— 'एकैवाहं जगत्यत्र द्वितीया का ममापरा। पश्यैता दुष्ट मद्विभूतयो मद्विभूतयः।Ó इस श्लोक का भाव यह है कि इस संसार में देवी के अतिरिक्त दूसरी कोई स्वतंत्र परमशक्ति नहीं है। जो अन्य शक्तियां दिखाई देती हैं, वे भी उन्हीं की विभूतियां हैं और अंततः उन्हीं में समाहित हो जाती हैं।

देवी के इस कथन में अद्वैत का गहरा संदेश निहित है। शक्ति के अनेक रूप होने के बावजूद उनका मूल एक ही है। ब्रह्मा द्वारा की गई देवी-स्तुति में भी उन्हें स्वाहा, स्वधा, वषट्कार, जीवनदायिनी सुधा और प्रणव '?Ó की तीन मात्राओं के स्वरूप में वर्णित किया गया है।

सगुण और निर्गुण, दोनों रूपों में मांः भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में परमशक्ति को कोई सगुण मानता है, तो कोई निर्गुण। दोनों ही धारणाएं एक ही परम सत्ता के अलग-अलग स्वरूपों को व्यक्त करती हैं। जब शक्ति सृष्टि के कार्यों में सक्रिय दिखाई देती है, तब उसे सगुण स्वरूप में समझा जाता है। जब वही शक्ति समस्त क्रियाओं से परे परम तत्त्व के रूप में मानी जाती है, तब उसे निर्गुण कहा जाता है। भक्त मां को जिस रूप में स्मरण करता है, उसी रूप में उनकी आराधना करता है। गोलोक में वे श्रीराधा, साकेत में सीता और क्षीरसागर में लक्ष्मी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। वे सती, उमा और आदिशक्ति के रूप में भी पूजित हैं। वैष्णव, शैव, गाणपत्य, सौर और ब्रह्मवादी परंपराओं में देवी-देवताओं के विविध स्वरूपों के माध्यम से इसी परम सत्ता की उपासना की जाती है। मां ही सृष्टि की रचना करने वाली, उसका पालन करने वाली और आवश्यकता पडऩे पर उसका संहार करने वाली आदिशक्ति हैं। वे देवताओं के कल्याण, भक्तों की रक्षा और आसुरी प्रवृत्तियों के विनाश के लिए प्रकट होती हैं।

दस महाविद्याओं में निहित है शक्ति का विराट स्वरूपः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान सदाशिव ने माता सती को उनके पिता दक्ष के यज्ञ में जाने से रोकने का प्रयास किया, तब माता सती अपने निर्णय पर अडिग रहीं। इस प्रसंग में उनके दस महाविद्या स्वरूपों के प्राकट्य का वर्णन मिलता है। ये दस महाविद्याएं हैं—काली, तारा, छिन्नमस्ता, षोडशी, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला। इन दस महाविद्याओं में महाकाली को मूल शक्ति का प्रमुख स्वरूप माना जाता है। दुर्गा सप्तशती में जब देवताओं की स्तुति से प्रसन्न होकर मां दुर्गा प्रकट होती हैं, तब उनके तेज और सौंदर्य का अद्भुत वर्णन मिलता है। देवी का यह स्वरूप बताता है कि करुणा और शक्ति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए एक-दूसरे के पूरक हैं।

शिव भी शक्ति के बिना अधूरेः भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को एक-दूसरे का पूरक माना गया है। शक्ति के बिना शिव को निष्क्रिय और शव के समान बताया गया है। इस विचार को व्यक्त करने वाले श्लोकों का भाव है कि शक्ति के संयोग से ही शिव सृजन, पालन और कल्याण के कार्य करने में समर्थ होते हैं। ब्रह्मा की देवी-स्तुति में भी उन्हें संपूर्ण ब्रह्मांड को धारण करने वाली शक्ति कहा गया है। उन्हीं से जगत की उत्पत्ति होती है और उन्हीं से उसका पालन होता है। वे महामाया, महाविद्या, महामेधा, महास्मृति और बुद्धिस्वरूपा हैं। वे कालरात्रि भी हैं और कल्याण प्रदान करने वाली शक्ति भी। इस प्रकार भगवती नित्य होते हुए भी जगत की रक्षा के लिए विभिन्न रूपों में प्रकट होती हैं। मान्यता है कि जब मनुष्य के जीवन में उन्नति और समृद्धि आती है, तब मां लक्ष्मी के रूप में घर में विराजमान होकर कल्याण करती हैं।

आज समाज को मां की कृपा और शक्ति की आवश्यकताः वर्तमान समय में देश और समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पापाचार, व्यभिचार, अत्याचार, भ्रष्टाचार और अनाचार जैसी प्रवृत्तियां सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रही हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाएं भी जनजीवन के लिए संकट पैदा कर रही हैं। इन परिस्थितियों के कारण समाज के विभिन्न वर्गों में असुरक्षा, पीड़ा और चिंता का वातावरण बनता है। देश की गौरवशाली परंपराओं और नैतिक मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज में सद्विचार, सद्कर्म, करुणा, न्याय और परोपकार की भावना मजबूत हो। केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि अपने आचरण में सत्य, ईमानदारी और मानवीय संवेदना को अपनाना भी देवी की आराधना का महत्वपूर्ण भाव है। ऐसे समय में जगज्जननी मां दुर्गा से प्रार्थना है कि वे समाज में व्याप्त बुराइयों का नाश करें, लोगों को सद्बुद्धि प्रदान करें और प्रत्येक प्राणी के मन में सेवा, सहयोग तथा परोपकार की भावना जागृत करें। मां की शक्ति हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और पीड़ितों की सहायता करने का साहस दे। दुर्गा सप्तशती में देवी की सर्वव्यापक चेतना को नमन करते हुए कहा गया है—

'चितिरूपेण या कृत्स्नमेतद् व्याप्य स्थिता जगत्। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥Ó अर्थात जो देवी चेतना के रूप में संपूर्ण जगत में व्याप्त हैं, उन्हें बार-बार नमस्कार है। आज आवश्यकता है कि हम मां की करुणा को अपने व्यवहार में और उनकी शक्ति को अपने कर्मों में उतारें। जब समाज सदाचार, न्याय और परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ेगा, तभी सच्चे अर्थों में मां की आराधना सार्थक होगी। हे जगज्जननी मां दुर्गा! देश और समाज को पापाचार, भ्रष्टाचार, अत्याचार तथा समस्त बुराइयों से मुक्त करिए। प्रत्येक प्राणी को सद्बुद्धि, सद्कर्म और परोपकार की प्रेरणा दीजिए। चारों ओर व्याप्त संकटों को दूर कर जन-जन का कल्याण कीजिए। मां, त्राहिमाम्-त्राहिमाम्!

सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक, जनसंपर्क, भोपाल।

भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष : आकाश में भारत का अभिमान

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गाथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुवीरों के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय कराते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला न केवल दर्शकों को रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अभेद्य है। सारंग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है। वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पराक्रम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' ने ऊंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अदम्य जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे घातक फाइटर जेट्स हैं। सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिनूक और अपाचे जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान न केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन की रीढ़ के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हौंसले भारतीय वायुसेना के सामने पस्त हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही है, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़ाकू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्टरों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती। भारत ने तकनीकी सटीकता, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से यह साबित किया है कि गुणवत्ता संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में यह सिद्ध हो चुका है कि केवल संख्या नहीं बल्कि रणनीति और मनोबल ही विजय सुनिश्चित करते हैं। इतिहास की बात करें तो भारतीय वायुसेना की नींव ब्रिटिश शासनकाल में रखी गई थी। 8 अक्तूबर 1932 को 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसकी भूमिका अहम रही। उस समय यह सेना ब्रिटिश आर्मी के अधीन थी। स्वतंत्रता के बाद 1950 में इसे 'इंडियन एयरफोर्स' नाम मिला और इसकी पहचान स्वतंत्र सैन्य शाखा के रूप में बनी। सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट पहले चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने और बाद में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी पहले भारतीय प्रमुख बने। उस दौर में मात्र कुछ विमान और सीमित संसाधन थे लेकिन आज वायुसेना के पास आधुनिकतम हथियार, विमानों का विशाल बेड़ा और मजबूत संरचना है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं बल्कि दृष्टिकोण का है।

भारतीय वायुसेना का एक बड़ा उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना भी है। एयर शो और शक्ति प्रदर्शन केवल दुश्मनों के लिए संदेश नहीं होते बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने का उत्साह भी देते हैं। वायुसेना का जीवन अनुशासन, साहस और देशभक्ति का संगम है और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल कैरियर के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा के लिए भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, सामरिक मामलों के विश्लेषक तथा बहुचर्चित पुस्तक 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' के लेखक हैं)

मेष राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे, परिवार में सदस्यों के साथ संबंधों में सुधार होगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। पहले से शुरू किये गये ज्यादातर काम आज पूरे होंगे।

कर्क राशि : आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रह सकता है। शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं ,उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। इस राशि की जो हाउसवाइफ अपना खुद का बिजनेस स्टार्ट करना चाहती हैं उनके लिए आज अच्छे योग बन रहे हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए। आपके व्यवहार में कुछ अच्छे बदलाव आने से आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं। आपको दूसरों की मदद करने का मौका मिलेगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी आज आपसे खत्म होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते। आज सिर दर्द की समस्या से आपको राहत मिलेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। मेहनत और लग्न देखकर आज आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने का प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है।

मकर राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। शुभ अंक- 2

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे जिसे आप अपने किसी ख़ास मित्र से शेयर भी करेंगे आपको राहत मिलेगी। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने का मौका मिलेगा।

मीन राशि :आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर फ्लोवर डेकोरेशन का काम भी करवा सकते हैं। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। मौसम के बदलने से आज बेचैनी थोड़ी बढ़ सकती है खूब पानी पियें स्वास्थ्य चेतन्न रहेगा।

हिन्दू जीवन दर्शनः प्रकृति पूजा से प्रकृति संरक्षण तक

राज कुमार सिन्हा

हिन्दू धर्म में प्रकृति पूजन को प्रकृति संरक्षण के तौर पर मान्यता है। भारत में पेड़-पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गई है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। ग्रह-नक्षत्र, पहाड़ और वायु देवरूप माने गए हैं। प्राचीन समय से ही भारत के वैज्ञानिक ऋषि-मुनियों को प्रकृति संरक्षण और मानव के स्वभाव की गहरी जानकारी थी। वे जानते थे कि मानव अपने क्षणिक लाभ के लिए कई मौकों पर गंभीर भूल कर सकता है। अपना ही भारी नुकसान कर सकता है। इसलिए उन्होंने प्रकृति के साथ मानव के संबंध विकसित कर दिए। ताकि मनुष्य को प्रकृति को गंभीर क्षति पहुंचाने से रोका जा सके। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही भारत में प्रकृति के साथ संतुलन करके चलने का महत्वपूर्ण संस्कार है। यह सब होने के बाद भी भारत में भौतिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति पददलित हुई है। लेकिन, यह भी सच है कि यदि ये परंपराएं न होतीं तो भारत की स्थिति भी गहरे संकट के किनारे खड़े किसी पश्चिमी देश की तरह होती। हिन्दू परंपराओं ने कहीं न कहीं प्रकृति का संरक्षण किया है। हिन्दू धर्म का प्रकृति के साथ कितना गहरा रिश्ता है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद का प्रथम मंत्र ही अग्नि की स्तुति में रचा गया है। हिन्दुत्व वैज्ञानिक जीवन पद्धति है। प्रत्येक हिन्दू परम्परा के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक रहस्य छिपा हुआ है। इन रहस्यों को प्रकट करने का कार्य होना चाहिए। हिन्दू धर्म के संबंध में एक बात दुनिया मानती है कि हिन्दू दर्शन जियो और जीने दो के सिद्धांत पर आधारित है। हिन्दू धर्म का सह अस्तित्व का सिद्धांत ही हिन्दुओं को प्रकृति के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। वैदिक वाङ्गयों में प्रकृति के प्रत्येक अवयव के संरक्षण और संवर्धन के निर्देश मिलते हैं। हमारे ऋषि जानते थे कि पृथ्वी का आधार जल और जंगल है। इसलिए उन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए वृक्ष और जल को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है- वृक्षाद् वर्षति पर्जन्यः पर्जन्यादन्न सम्भवः अर्थात् वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। जंगल को हमारे ऋषि आनंददायक कहते हैं- अरण्यं ते पृथिवी स्योनमस्तु। यही कारण है कि हिन्दू जीवन के चार महत्वपूर्ण आश्रमों में से ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ और संन्यास का सीधा संबंध वनों से ही है। हम कह सकते हैं कि इन्हीं वनों में हमारी सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन हुआ है। हिन्दू संस्कृति में वृक्ष को देवता मानकर पूजा करने का विधान है। वृक्षों की पूजा करने के विधान के कारण हिन्दू स्वभाव से वृक्षों का संरक्षक हो जाता है। सम्राट विक्रमादित्य और अशोक के शासनकाल में वन की रक्षा सर्वोपरि थी। चाणक्य ने भी आदर्श शासन व्यवस्था में अनिवार्य रूप से अरण्यपालों की नियुक्ति करने की बात कही है।हमारे महर्षि यह भली प्रकार जानते थे कि पेड़ों में भी चेतना होती है। इसलिए उन्हें मनुष्य के समतुल्य माना गया है। ऋग्वेद से लेकर बृहदारण्यकोपनिषद्, पद्मपुराण और मनुस्मृति सहित अन्य वाङ्गयों में इसके संदर्भ मिलते हैं। छान्दोग्यउपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से आत्मा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि वृक्ष जीवात्मा से ओतप्रोत होते हैं और मनुष्यों की भांति सुख-दुःख की अनुभूति करते हैं। हिन्दू दर्शन में एक वृक्ष की मनुष्य के दस पुत्रों से तुलना की गई है।घर में तुलसी का पौधा लगाने का आग्रह भी हिन्दू संस्कृति में क्यों है? यह आज सिद्ध हो गया है। तुलसी का पौधा मनुष्य को सबसे अधिक प्राणवायु ऑक्सीजन देता है। तुलसी के पौधे में अनेक औषधीय गुण भी मौजूद हैं। पीपल को देवता मानकर भी उसकी पूजा नियमित इसीलिए की जाती है क्योंकि वह भी अधिक मात्रा में ऑक्सीजन देता है। परिवार की सामान्य गृहिणी भी अपने अबोध बच्चे को समझाती है कि रात में पेड़-पौधे को छूना नहीं चाहिए, वे सो जाते हैं, उन्हें परेशान करना ठीक बात नहीं। वह गृहिणी परम्परावश ऐसा करती है। उसे इसका वैज्ञानिक कारण नहीं मालूम। रात में पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड और दिन में ऑक्सीजन छोड़ते हैं, इसलिए गांव में दिनभर पेड़ की छांव में बिता देने वाले बच्चे-युवा-बुजुर्ग रात में पेड़ों के नीचे सोते भी नहीं हैं। देवों के देव महादेव तो बिल्व-पत्र और धतूरे से ही प्रसन्न होते हैं। यदि कोई शिवभक्त है तो उसे बिल्वपत्र और धतूरे के पेड़-पौधों की रक्षा करनी ही पड़ेगी।वट पूर्णिमा और आंवला नवमी का पर्व मनाना है तो वटवृक्ष और आंवले के पेड़ धरती पर बचाने ही होंगे। सरस्वती को पीले फूल पसंद हैं। धन-सम्पदा की देवी लक्ष्मी को कमल और गुलाब के फूल से प्रसन्न किया जा सकता है। गणेश दूर्वा से प्रसन्न हो जाते हैं। हिन्दू धर्म के प्रत्येक देवी-देवता भी पशु-पक्षी और पेड़-पौधों से लेकर प्रकृति के विभिन्न अवयवों के संरक्षण का संदेश देते हैं। जलस्त्रोतों का भी हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्यादातर गांव-नगर नदी के किनारे पर बसे हैं। ऐसे गांव जो नदी किनारे नहीं हैं, वहां ग्रामीणों ने तालाब बनाए थे। बिना नदी या ताल के गांव-नगर के अस्तित्व की कल्पना नहीं है। हिन्दुओं के चार वेदों में से एक अथर्ववेद में बताया गया है कि आवास के समीप शुद्ध जलयुक्त जलाशय होना चाहिए। जल दीर्घायु प्रदायक, कल्याणकारक, सुखमय और प्राणरक्षक होता है। शुद्ध जल के बिना जीवन संभव नहीं है। यही कारण है कि जलस्त्रोतों को बचाए रखने के लिए हमारे ऋषियों ने इन्हें सम्मान दिया। पूर्वजों ने कल-कल प्रवाहमान सरिता गंगा को ही नहीं वरन सभी जीवनदायनी नदियों को मां कहा है। हिन्दू धर्म में अनेक अवसर पर नदियों, तालाबों और सागरों की मां के रूप में उपासना की जाती है। जैव विविधता पृथ्वी पर सभी जीवन का आधार है। यह मानव कल्याण, स्वस्थ ग्रह और सभी लोगों के लिए आर्थिक समृद्धि के लिए मौलिक है। हम भोजन, दवा, ऊर्जा, स्वच्छ हवा और पानी और प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रेरणा के लिए इस पर निर्भर हैं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के गंभीर संकट से गुजर रही है, तब प्रकृति के साथ मनुष्य के उस पुराने रिश्ते को फिर से समझने की आवश्यकता है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियमित मानसून, लंबे समय तक चलने वाली गर्मी, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, सूखा, जंगलों में आग, ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और समुद्र-स्तर में वृद्धि केवल पर्यावरणीय समस्याएं नहीं हैं। इनका सीधा असर मानव जीवन, खेती, जलस्त्रोतों, पशुधन, मछलियों, वन्यजीवों और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस प्रकृति को मनुष्य ने अपनी आर्थिक प्रगति का साधन मान लिया, उसी प्रकृति की सीमाओं को लगातार पार किया जा रहा है। जंगलों की कटाई, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप, पहाड़ों का अंधाधुंध कटाव, भूजल का अत्यधिक दोहन, आर्द्रभूमियों का विनाश और जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन को और गंभीर बना रहे हैं। इसलिए आज केवल नई तकनीक और बड़े निवेश से समस्या का समाधान संभव नहीं है। हमें अपनी विकास-दृष्टि और प्रकृति के साथ अपने संबंध को भी बदलना होगा। यहीं भारतीय और विशेषकर हिन्दू जीवन-दर्शन की प्रकृति-केंद्रित परंपराएं महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यदि नदी केवल पानी का स्त्रोत नहीं बल्कि मां है, वृक्ष केवल लकड़ी नहीं बल्कि जीवन का आधार और पूजनीय है, पर्वत केवल खनिज का भंडार नहीं बल्कि देवस्वरूप है और पशु-पक्षी केवल संसाधन नहीं बल्कि मानव जीवन के सहचर हैं, तो प्रकृति के प्रति मनुष्य का व्यवहार स्वतः बदलता है। आज जलवायु परिवर्तन के दौर में इस सांस्कृतिक दृष्टि को आधुनिक पर्यावरण विज्ञान के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। वृक्ष और जंगल केवल धार्मिक आस्था के विषय नहीं हैं; वे कार्बन को अवशोषित करते हैं, मिट्टी को बचाते हैं, जलचक्र को बनाए रखने में मदद करते हैं, स्थानीय तापमान को नियंत्रित करते हैं और असंख्य जीव-जंतुओं को आवास देते हैं। इसी तरह नदियां केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं हैं। वे करोड़ों लोगों के पेयजल, सिंचाई, मत्स्य पालन और आजीविका का आधार हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी । फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, रचिन रवींद्र और टिम सीफर्ट को टीम में शामिल किया गया है, जबकि मिचेल सैंटनर टीम की कप्तानी करेंगे। वनडे सीरीज की शुरुआत 4 नवंबर को ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) के ईडन पार्क में होगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार टीम जनवरी में भारत के खिलाफ मिली ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत के प्रदर्शन को दोहराने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने जनवरी में भारत को उसकी घरेलू सरजमीं पर 2-1 से हराकर पहली बार भारतीय जमीन पर वनडे सीरीज जीतने का कारनामा किया था।

न्यूजीलैंड ने इस वनडे सीरीज के पहले तीन मैचों के लिए अलग और आखिरी 2 मैचों के लिए अलग टीम का ऐलान किया है। सीरीज के तीसरे वनडे के बाद न्यूजीलैंड टीम के कुछ खिलाड़ी आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वेलिंगटन रवाना होंगे। ऐसे में चौथे और पांचवें वनडे के लिए सात अतिरिक्त खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया जाएगा। फिन एलन और लॉकी फर्ग्यूसन ने आखिरी बार 2023 में वनडे मुकाबला खेला था। फर्ग्यूसन का पिछला वनडे मैच मुंबई में भारत के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप का सेमीफाइनल था। वहीं, टिम सीफर्ट ने लगभग 18 महीने पहले पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की घरेलू सीरीज में आखिरी बार वनडे क्रिकेट खेला था। कंधे की चोट के कारण न्यूजीलैंड की टी20 टीम से बाहर हुए रचिन रवींद्र वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में वापसी करेंगे।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम पहले तीन वनडे के लिए टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग : अयोध्या गर्जन की करीबी जीत, हुगली हिटर्स ने दिल्ली डायनामाइट्स को हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अयोध्या गर्जन ने राजस्थान स्पाइकर्स को कड़े मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। नोएडा के नोएडा इंडोर स्टेडियम में शनिवार खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। अयोध्या गर्जन ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-20 से जीता। इसके बाद टीम ने दूसरे सेट में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 21-19 से जीत हासिल कर मैच में बढ़त बना ली। राजस्थान स्पाइकर्स ने तीसरे सेट में वापसी की और 21-19 से सेट अपने नाम किया, लेकिन

शुरुआती दो सेट जीतने के दम पर अयोध्या गर्जन ने मुकाबला 2-1 से अपने नाम कर लिया। राजस्थान स्पाइकर्स के अनीकेत को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि अयोध्या गर्जन के मुकुल राणा को टीम की जीत में योगदान के लिए इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। जीत के बाद मुकुल राणा ने कहा, "यह एक मुश्किल मुकाबला था और राजस्थान ने तीनों सेट में हमें कड़ी टक्कर दी। हमें पता था कि हमें अपना ध्यान बनाए रखना होगा और खासकर पहले दो सेट में अहम पॉइंट्स का पूरा फायदा उठाना होगा।

टीम ने अच्छा तालमेल दिखाया और अंत तक लड़ाई जारी रखी। मुझे खुशी है कि हम जीत हासिल कर सके। अब हम इसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे और आने वाले मैचों में भी अपनी लय बनाए रखेंगे।" वॉलीबॉल चैंपियंस लीग में एक अन्य मुकाबले में हुगली हिटर्स ने शानदार वापसी करते हुए दिल्ली डायनामाइट्स को 2-1 से हरा दिया। पहले सेट में हार के बाद हुगली की टीम ने जोरदार वापसी की और कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की।

गगनजीत भुल्लर ने जीता कृष्णा आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी, हैदराबाद

विम्त्रा चेन्नई लायंस गोल्फ क्लब के गगनजीत भुल्लर ने एएम ग्रीन आईजीपीएल कृष्णा आमंत्रण 2026 गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। हैदराबाद गोल्फ क्लब में हुए मुकाबले में भुल्लर ने कुल 14 अंडर पार 196 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने उन्हें विजेता ट्रॉफी और 22 लाख 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया। पंजाब रैप्टर्स गोल्फ क्लब के करनदीप कोचर और सी. मुनियप्पा संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

दोनों खिलाड़ियों को 12 लाख 75 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली। कृष्णा पंजाब रैप्टर्स गोल्फ क्लब के मालिक सुमित पासी की मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट ने हैदराबाद में गोल्फ प्रेमियों को शानदार खेल देखने का अवसर दिया। इस अवसर पर भुल्लर ने कहा कि 12 साल के अंतराल के बाद हैदराबाद लौटकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने यहां के गोल्फ कोर्स का भरपूर आनंद लिया और परिस्थितियां भी बहुत अच्छी थीं। एएम ग्रीन आईजीपीएल का विशेष धन्यवाद। हमने पिछले साल आईजीपीएल के साथ इस यात्रा की शुरुआत की थी। कृष्णा आमंत्रण 2026 की मेजबानी करने और इस आयोजन को संभव बनाने के लिए कृष्णा पंजाब रैप्टर्स गोल्फ क्लब के मालिक सुमित पासी का विशेष आभार। उम्मीद है कि यह यहां मेरी आखिरी भागीदारी नहीं होगी।

वाराणसी : बरेका के अजय कुमार बिंद ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

एजेंसी, वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के कर्मी एवं एथलीट अजय कुमार बिंद ने 65वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 03.86 सेकंड का समय दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से बरेका सहित भारतीय रेल का गौरव बढ़ा है। बरेका के जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अजय कुमार बिंद ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिचय देते हुए पदक हासिल किया। अजय कुमार बिंद वर्तमान में बरेका में टेक्नीशियन (फिटर) के पद पर कार्यरत हैं। रेलकर्मी के साथ-साथ एक समर्पित एथलीट के रूप में उनकी यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अनुशासन, लगन और समर्पण को दर्शाती है। उनकी सफलता से बरेका परिवार में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि को संस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की गई है।

भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग के दूसरे सीजन की जर्सी का अनावरण, 25 नवंबर से बेंगलुरु में होंगे 127 मुकाबले

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग ने अपने दूसरे सीजन की जर्सी का अनावरण किया। शनिवार रात नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लीग का दूसरा सीजन 25 नवंबर से 30 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा, जिसमें कुल 127 मुकाबले खेले जाएंगे। जर्सी अनावरण समारोह में अभिनेत्री करिश्मा शर्मा और शेफाली बग्गा भी शामिल हुईं। इस आयोजन में खेल और मनोरंजन जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लीग का उद्देश्य

सॉफ्टबॉल क्रिकेट की पहुंच बढ़ाना और खिलाड़ियों, टीमों, प्रायोजकों तथा खेल प्रेमियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सुरेश रैना ने कहा कि खेल से जुड़ी पहल लोगों को एकजुट करने, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों के लिए नए अवसर तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लीग का दूसरा सीजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देगा और सॉफ्टबॉल क्रिकेट में अधिक लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

बिजनेस

डीआरआई ने 11.50 करोड़ रुपये के 7.8 किग्रा का सोना किया जब्त, 6 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वी भारत में बांग्लादेश से होने वाली सोने की तस्करी से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। डीआरआई ने विशेष अभियान चलाकर 7.8 किलोग्राम से अधिक विदेशी मूल का सोना जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत 11.50 करोड़ रुपये से अधिक है। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि डीआरआई ने पूर्वी भारत में खुफिया जानकारी के आधार पर कई ऑपरेशन चलाकर लगभग 7.8 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत 11.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस दौरान बांग्लादेश सीमा से जुड़े तस्करी के रास्तों का पता चला, जबकि तस्करी सिंडिकेट के कथित सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक एक ऑपरेशन में डीआरआई

अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के डंकुनी टोल प्लाजा पर एक चारपहिया वाहन को रोका। इसमें चार लोग सवार थे, जो बांग्लादेश सीमा के पास स्थित शहर बनपुर से कोलकाता जा रहे थे। वाहन और उसमें सवार लोगों की तलाशी के दौरान, अधिकारियों को लगभग 6.8 किलोग्राम वजन की 50 सोने की छड़ें (गोल्ड बार) मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये थी। इसमें कुछ सोने की छड़ों पर विदेशी निशान थे। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार वाहन में सवार लोग इस कीमती धातु के कानूनी कब्जे को साबित करने वाले कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर बांग्लादेश के रास्ते भारत में विदेशी सोने की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। डीआरआई ने कहा कि गिरफ़्तार लोगों में से एक बनपुर सीमा क्षेत्र में सक्रिय तस्करी सिंडिकेट का कथित सरगना था। उसी दिन चलाए गए अलग-अलग ऑपरेशन में डीआरआई की टीमों ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन और न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन यात्रियों को रोका। तलाशी के दौरान लगभग 1 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि डीआरआई की जांच से पता चला कि जब्त किया गया सोना, जो चूड़ियों और सोने की छड़ों के रूप में था, त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा के पार तस्करी करके लाए गए सोने से बनाया गया था। इन अभियानों से बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वोत्तर को कोलकाता जैसे प्रमुख बाजारों से जोड़ने वाले सड़क और रेल मार्गों का इस्तेमाल तस्करी के सोने की आवाजाही के लिए जारी रहने का संकेत मिलता है। डीआरआई खुफिया जानकारी पर आधारित प्रवर्तन और समन्वित कार्रवाई के माध्यम से संगठित तस्करी नेटवर्क का खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह आयेंगे 7 नए आईपीओ, सिर्फ एक कंपनी के शेयर की होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 12 अक्टूबर से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से सामान्य हलचल रहने वाली है। सोमवार से शुक्रवार तक के इस नए कारोबारी सप्ताह में सात कंपनियां अपने पब्लिक इश्यू लॉन्च करने जा रही हैं। इनमें से पांच मेनबोर्ड सेगमेंट से हैं, जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। लिस्टिंग के लिहाज से ये सप्ताह काफी सुस्त रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होकर अपने कारोबार की शुरुआत करने वाले हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 13 अक्टूबर को एचडी फायर प्रोजेक्ट का 712.31 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 258 रुपये प्रति शेयर से लेकर 271 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 55 शेयर का है। आईपीओ की

क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन रविता इंजीनियरिंग सर्विसेज का 116.05 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए 105 रुपये प्रति शेयर से लेकर 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। मंगलवार यानी 13 अक्टूबर को ही वैभव व्यापार का 42.10 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 51 रुपये प्रति शेयर से लेकर 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 14 अक्टूबर को फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 16 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 275 रुपये प्रति शेयर से लेकर 289 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 51 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 15 अक्टूबर को सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ लॉन्च होने वाला है।

इस इश्यू में 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। फिलहाल इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। आईपीओ के तहत कुल 2,76,44,231 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 23 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन टोन्बो इमेजिंग इंडिया का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। इस इश्यू में भी 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। फिलहाल इस आईपीओ के लिए भी प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है।

एक सप्ताह में 2,240 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी में 5,100 रुपये की तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमत में आई तेजी का असर आज लगातार दूसरे दिन घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रहा है। भारतीय सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह चार दिन की स्थिरता के बाद आज चांदी के भाव में 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में हुए इस बदलाव के बाद ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना

आज 1,51,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी फ्लैट ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार सपाट स्तर पर कारोबार करता रहा। हालांकि, आज की तेजी की वजह से चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक चढ़ गया।

एयर इंडिया, एआई एक्सप्रेस ने रियाद की उड़ानें रद्द रखने की अवधि 15 तक बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में तनावपूर्ण माहौल और सऊदी अरब के मौजूदा हालात के मद्देनजर एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया ने रियाद से आने-जाने वाली उड़ानों को रद्द रखने की अवधि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद के लिए अपनी सेवाएं 14 अक्टूबर तक रद्द की हैं, जबकि एयर इंडिया ने 15 अक्टूबर तक की उड़ानें निरस्त रखने का फैसला किया है। इससे पहले दोनों एयरलाइंस ने 10 अक्टूबर तक रियाद की उड़ानें रद्द करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि एयरलाइन कंपनियां स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं और क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों का लगातार आकलन कर रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया प्रभावित यात्रियों को उड़ानें रद्द होने पर पूरी धनराशि वापस करने की पेशकश भी कर रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के यात्रा की तारीख बदलने की सुविधा भी दे रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस भारत के चार शहरों जिसमें बेंगलुरु, कोच्चि, कन्नूर और कोझिकोड से रियाद के लिए साप्ताहिक आधार पर 16 उड़ानों का संचालन करती है। वहीं, एयर इंडिया दिल्ली और मुंबई से रियाद के लिए सप्ताह में सात उड़ानें संचालित करती है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों रियाद और आभा पर कथित तौर पर हूथी विद्रोहियों ने हमला किया था।

सीतारमण ने सिंगापुर में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के समूह चीफ एग्जीक्यूटिव बिल विंटर्स से मुलाकात की

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिंगापुर में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के समूह चीफ एग्जीक्यूटिव बिल विंटर्स और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा। वित्त मंत्रालय ने रविवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि सिंगापुर में अपनी बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक समूह के मुख्य कार्यकारी बिल विंटर्स ने भारत की ग्लोबल मार्केट में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए ट्रेड फाइनेंस, क्रॉस-बॉर्डर बैंकिंग और फाइनेंशियल फ्लो को मजबूत करने की अहम रणनीतियों पर चर्चा की। इस दौरान वैश्विक बाजारों

के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव को समर्थन देने के लिए उचित टैक्स और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के जरिए एआई को बड़े पैमाने पर अपनाने और गिफ्ट आईएफएससी में ट्रेजरी सेंटर स्थापित करने व उनका विस्तार करने के अवसरों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। वित्त मंत्री के साथ इस बैठक में उनके साथ समूह चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुश्री तनुज कपिलाश्रमी, सिंगापुर, आसियान और दक्षिण एशिया के सीईओ पैट्रिक ली और ग्रुप पब्लिक एंड रेगुलेटरी अफेयर्स में सरकारी मामलों के निदेशक कॉलिन तुंग भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 9 से 11 अक्टूबर तक सिंगापुर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करना और भारत में वैश्विक संस्थागत निवेश को आकर्षित करना है।

आमिर खान की नई पहल, लेकर आएंगे कविताएं और आम जनता की अनसुनी कहानियां

सुपरस्टार आमिर खान ने देश के जमीनी हुनरबाजों को एक बड़ा मंच देने का फैसला किया है। इसी कड़ी में उन्होंने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म आमिर खान टॉकीज पर एक अनोखा ओपन माइक शो वन्स अपॉन अ माइक शुरू किया है। इसका ऐलान आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा किया गया। इस पहल की शुरुआत मशहूर आर्ट कलेक्टिव कम्यून के सहयोग से की गई है। इसके जरिए उन आवाजों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जिन्हें मुख्यधारा के मनोरंज में जगह नहीं मिलती। प्रोडक्शन ने घोषणा करते हुए लिखा, यह वो महफिल है जहां कहानियां उड़ान भरेंगी यहां अलग अंदाज है और उस अंदाज की एक आवाज भी है। इस मंच की खास बात यह होगी कि यहां सिर्फ कविताएं नहीं सुनाई जाएंगी, बल्कि रैप, स्पोकन वर्ड और आम जनता की अनसुनी कहानियों को भी दुनिया के सामने लाया जाएगा। निर्माताओं ने पहला वीडियो भी जारी किया है, जिसकी शुरुआत मुंबई की महिला रैपर सानिया एमक्यू की सच्ची और दमदार कहानी से हुई। सुपरस्टार आमिर खान ने देश के जमीनी हुनरबाजों को एक बड़ा मंच देने के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म 'आमिर खान टॉकीज' पर एक अनोखा ओपन माइक शो 'वन्स अपॉन अ माइक' शुरू किया है। इस पहल की शुरुआत मशहूर आर्ट कलेक्टिव 'कम्यून' के सहयोग से की गई है, जिसका उद्देश्य उन कलाकारों और आवाजों को दुनिया के सामने लाना है जिन्हें आमतौर पर मुख्यधारा के मनोरंजन जगत में जगह नहीं मिल पाती। आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा घोषित इस अनूठे मंच को लेकर निर्माताओं का कहना है कि यह एक ऐसी महफिल है जहां कहानियां उड़ान भरती हैं और हर अंदाज की अपनी एक अलग आवाज होती है। इस मंच की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां केवल कविताएं ही नहीं सुनाई जाएंगी, बल्कि रैप, स्पोकन वर्ड और आम जनता की कई अनसुनी और प्रेरणादायक कहानियों को भी प्रमुखता से जगह मिलेगी। इस पहल के पहले वीडियो की शुरुआत मुंबई की महिला रैपर सानिया एमक्यू की सच्ची और दमदार कहानी से हुई है। इस डिजिटल ओपन माइक के जरिए देश के विभिन्न कोनों से उभरते कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का एक बेहतरीन और स्वतंत्र मंच मिलेगा। मनोरंजन उद्योग में इस तरह के प्रयोग से जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को एक नई पहचान मिलने की उम्मीद है, जिससे दर्शकों को भी कुछ नया और मौलिक देखने को मिलेगा।

कृति सेनन का 'जीवा' विज्ञापन विवाद: कपड़ों से लेकर राष्ट्रीय बहस तक

हाल ही में अभिनेत्री कृति सेनन ने करीना कपूर के शो पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और रक्षाबंधन पर हुए जीवा विज्ञापन विवाद को लेकर खुलकर बात की। कृति ने अपनी हैरानी व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उनके कपड़ों को लेकर एक राष्ट्रीय बहस छिड़ जाएगी और यह मुद्दा इतना तूल पकड़ लेगा। रक्षाबंधन के मौके पर रिलीज हुए जीवा के इस विज्ञापन में कृति सेनन एक स्टाइलिश इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहने नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने एक मॉडर्न और प्रगतिशील बहन का किरदार निभाया था। विज्ञापन में उन्हें अपने भाई और पालतू कुत्ते को राखी बांधते हुए त्योहार मनाते हुए दिखाया गया था, जिसका उद्देश्य त्योहार को आधुनिक और समावेशी तरीके से प्रस्तुत करना था। हालांकि, यह विज्ञापन सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों के बीच एक बड़ी बहस छिड़ गई। कुछ यूजर्स ने उनके कपड़ों को पारंपरिक त्योहार के हिसाब से अनुचित बताया और उन्हें भारतीय संस्कृति के खिलाफ करार दिया, तो कुछ ने विज्ञापन में रक्षाबंधन को दिखाने के तरीके पर सवाल उठाए। पालतू कुत्ते को राखी बांधने और पारंपरिक रीति-रिवाजों की कथित कमी को लेकर भी कृति और विज्ञापन की खूब आलोचना हुई, जिससे विवाद और गहरा गया। करीना कपूर खान से बातचीत के दौरान कृति सेनन ने इस पूरे विवाद को याद करते हुए कहा कि वह उस समय शॉक में थीं और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि एक विज्ञापन पर इतनी प्रतिक्रिया क्यों आ रही है। कृति ने बताया, मैं यकीन नहीं कर पा रही थी। मेरी चोली न्यूज चैनलों पर लोगों के पैनल डिस्कशन का मुद्दा बन गई थी। इस बयान से उनकी हैरानी और उस समय की स्थिति साफ झलकती है कि कैसे एक सामान्य विज्ञापन पर इतनी बड़ी बहस छिड़ गई थी और मीडिया में भी इसे खूब उछाला गया। सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग और नकारात्मक प्रतिक्रिया इतनी बढ़ गई थी कि कंपनी को अपना विज्ञापन वापस लेना पड़ा, जिससे यह विवाद और भी बड़ा बन गया। कृति सेनन ने भी तब सोशल मीडिया पर इस पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने उस समय कहा था कि कोई महिला क्या पहनती है और क्या नहीं, यह किसी डिस्कशन का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि यह उसका निजी फैसला है।

रियल लाइफ नायरा मिल गई मोहसिन खान को

मशहूर टेलीविजन अभिनेता मोहसिन खान को आखिरकार उनकी रियल लाइफ नायरा मिल गई है। मोहसिन खान ने अपनी गर्लफ्रेंड तमन्ना के साथ लॉस एंजिलस में एक सीक्रेट वेडिंग में निकाह कर लिया है। ये रिश्ता क्या कहलाता है से घर-घर में पहचान बनाने वाले एक्टर ने अपनी शादी की खबर को बेहद गोपनीय रखा था, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री के साथी भी अनजान थे। सोशल मीडिया पर हाल ही में उन्होंने अपने निकाह का एक बेहद खूबसूरत वीडियो साझा कर सभी को सरप्राइज दिया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में मोहसिन और तमन्ना निकाह की सभी रस्में पूरी करते और एक-दूसरे के साथ खुशी से डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। निकाह के खास मौके पर मोहसिन खान ने बेहद स्टाइलिश ब्लैक एंड व्हाइट टक्सिडो पहना था, जो उन पर खूब फब रहा था, जबकि उनकी बेगम तमन्ना ने शैंपेन गोल्ड कलर का अनारकली सूट चुना था, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। हालांकि, बाद में पारंपरिक निकाह की रस्मों के लिए दोनों ने अपनी पोशाक बदली। मोहसिन ने सफेद रंग की शेरवानी पहनकर पारंपरिक लुक अपनाया, वहीं तमन्ना ने सफेद और गोल्ड कलर का खूबसूरत लहंगा पहनकर अपने ब्राइडल लुक को पूरा किया, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था। वीडियो में तमन्ना और मोहसिन को निकाहनामा पर दस्तखत करते, खुशी-खुशी निकाह कबूल करते और पवित्र कुरान पढ़ते देखा जा सकता है। ये सभी पल उनकी जिंदगी के इस बड़े और खूबसूरत पड़ाव को दर्शा रहे हैं। मोहसिन ने यह वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में सिर्फ कबूल कबूल, कबूल लिखा है, जो उनकी अटूट खुशी और समर्पण को बयां कर रहा है। यह वीडियो सामने आते ही उनके फैंस और दोस्तों ने इस पर जमकर प्यार लुटाया और कमेंट सेक्शन में बधाइयों का तांता लग गया। टेलीविजन इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने भी कपल को बधाई दी है, जिनमें अभिनेत्री कांची सिंह और अनेरी वजानी ने दिल वाले इमोजी के साथ अपनी शुभकामनाएं भेजीं। गर्लफ्रेंड तमन्ना से सगाई की थी। उस समय भी उन्होंने लॉस एंजिलस से अपनी सगाई की मनमोहक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं, जिसने उनके फैंस को उत्साहित कर दिया था। फैंस को तभी से उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन मोहसिन ने किसी को भी अपने निकाह की भनक तक नहीं लगने दी।

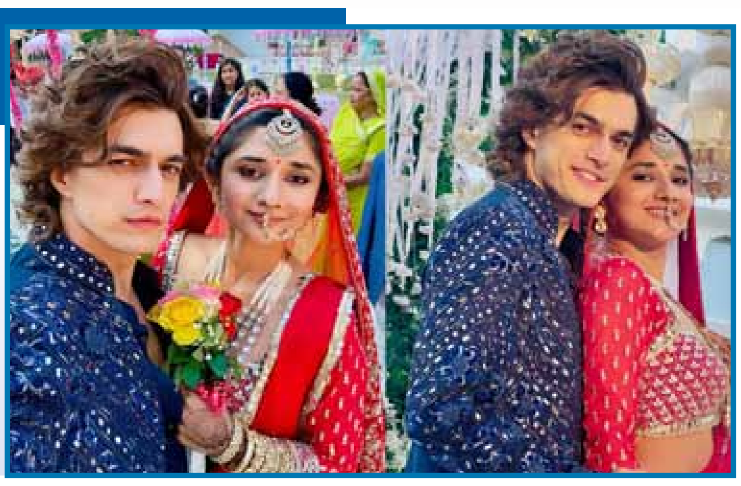

'प्रेम कीटाणु' बॉक्स ऑफिस में असफल

हिंदी सिनेमा में प्रेम कहानियों का लंबा और सफल इतिहास रहा है, लेकिन हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम कीटाणु' को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की ठंडी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। 2 अक्टूबर को रिलीज हुई यह फिल्म कॉलेज जीवन, दोस्ती, प्रेम और करियर के बीच उलझते एक युवा की कहानी पेश करती है। कहानी को रिलेटेबल बनाने के साथ इसमें नॉस्टैल्जिक फील और संगीत पर भी ध्यान दिया गया, लेकिन इसके बावजूद फिल्म दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक नहीं खींच सकी। फिल्म का मुख्य किरदार नौकरी की तलाश के दौरान प्यार में पड़ता है और फिर करियर तथा रिश्ते के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। कहानी में मध्यमवर्गीय परिवार में बड़े होने की असुरक्षा, करियर को लेकर संघर्ष और जीवन की दिशा तलाशने जैसी भावनाओं को दिखाया गया है। फिल्म के संगीत में प्यार, दिल टूटने, जुदाई, जवानी और जश्न से जुड़े गीत शामिल हैं, जिन्हें सराहना भी मिली। इसके बावजूद संगीत और कहानी फिल्म को अपेक्षित दर्शक दिलाने में कामयाब नहीं रहे।

सैयामी ने याद की शुरुआती संघर्ष

अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्म उद्योग में अपने एक दशक के सफर को याद करते हुए शुरुआती संघर्षों और अनुभवों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें कई ऐसी सलाहें मिलीं, जिनसे वह हैरान रह गई थीं। सैयामी के मुताबिक, उन्हें फिल्म उद्योग में आसानी से जगह बनाने के लिए किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने और यहां तक कि लिप जॉब जैसी कॉस्मेटिक प्रक्रिया कराने की सलाह भी दी गई थी। सैयामी ने बताया कि वह नासिक की एक शांत और अंतर्मुखी लड़की थीं और उन्हें सिनेमा की दुनिया के बारे में बहुत कम अनुभव था। इंडस्ट्री में खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही उन्हें कई लोगों ने जज किया। उन्हें 'गंवार' तक कहा गया और यह भी बताया गया कि उनमें 'वो बात' नहीं है। हालांकि, माता-पिता से मिले आत्मविश्वास के कारण उन्होंने इन टिप्पणियों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उनका कहना है कि परिवार ने उन्हें खुद पर भरोसा करना सिखाया था। उनके करियर में अहम मोड़ तब आया जब अड्डूर मुखर्जी का फोन आया और उन्हें दिलीप शंकर के साथ टेस्ट देने का अवसर मिला।

प्रियंका चाहर पर भड़कीं स्वरा

रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' में अभिनेत्री स्वरा भास्कर और प्रियंका चाहर चौधरी के बीच तीखी बहस देखने को मिली। यह विवाद 'गौतम सिटी' टास्क के दौरान शुरू हुआ। इस टास्क में गौतम गुलाटी और शहजाद पूनावाला 'अल्टीमेट रूलर' बनने की दौड़ में थे। गौतम गुलाटी की पूर्व मित्र और अब प्रतिद्वंद्वी प्रियंका चाहर चौधरी के पास उनकी मदद करने का मौका था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। टास्क शुरू होने के बाद प्रियंका ने गौतम का साथ नहीं देने का फैसला किया। उनके इस निर्णय से गौतम के लिए आगे बढ़ने का रास्ता मुश्किल हो गया और घर का माहौल तनावपूर्ण हो गया। कायरा और निहारिका की ओर से गौतम के खेल को प्रभावित किए जाने के बाद स्थिति और उलझ गई। इसके बाद करण पटेल ने प्रियंका को अपनी जगह बदलने का विकल्प दिया, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। प्रियंका ने कहा कि उन पर झूठा आरोप लगाया गया है और वह झूठ नहीं बोलतीं। उनका कहना था कि अगर उन पर आरोप लगाए जाएंगे तो उन्हें समर्थन नहीं मिलेगा। प्रियंका के इस रुख से स्वरा भास्कर नाराज हो गईं।

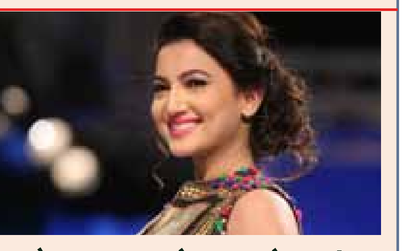

गौहर खान के छलके आंसू

'बिग बॉस 20' की पूर्व विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने मौजूदा प्रतियोगी काजी तौकीर के भावुक होने पर उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। काजी को घर के अंदर रोते देखकर गौहर खुद भी भावुक हो गईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए काजी की ईमानदारी और मजबूती की तारीफ की और कहा कि घर के अधिकांश सदस्यों की ओर से निशाना बनाए जाने के बावजूद वह अपनी बात पर कायम हैं। गौहर ने काजी के समर्थन में लिखा कि माही को छोड़कर लगभग पूरा घर उन्हें निशाना बना रहा है। उन्होंने अमन, उदिति और अरिशफा जैसे काजी के दोस्तों को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। गौहर ने कहा कि वह भगवान से प्रार्थना करती हैं कि किसी को ऐसे दोस्त न मिलें, जो मुश्किल समय में साथ देने के बजाय उसी व्यक्ति पर हमला करें। गौहर ने काजी की भावनाओं से अपने जुड़ाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह इसलिए रो रही हैं क्योंकि काजी रो रहे हैं। उनके मुताबिक, काजी उन्हें बेहद वास्तविक लगते हैं और लंबे समय से बिग बॉस देखने के बावजूद वह किसी प्रतियोगी से इस तरह नहीं जुड़ीं।

ऑनलाइन भी देखा जा सकेगा जेलर 2 का सुपर शो

बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन इससे पहले ही मेकर्स ने दर्शकों के लिए अप्रत्याशित सरप्राइज का ऐलान किया है। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट, जिसे जेलर 2 सुपर शो नाम दिया गया है, अब ऑनलाइन भी देखा जा सकेगा। थिएटर में फिल्म देखने से पहले ही दर्शकों को रजनीकांत और फिल्म की पूरी स्टारकास्ट से जुड़ी इस खास झलक का मजा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिलेगा। जेलर 2 सुपर शो का डिजिटल प्रीमियर 9 अक्टूबर 2026 को होगा और इसे सन एनएक्सटी पर स्ट्रीम किया जाएगा, जिससे दुनिया भर के दर्शक इसे अपने घरों में बैठकर देख सकेंगे। यह स्पेशल शो फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज से ठीक छह दिन पहले ऑनलाइन आएगा, क्योंकि फिल्म जेलर 2 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर साझा कर फैंस की एक्साइटमेंट को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। जेलर 2 साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर की धमाकेदार सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। इस फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर अपने बेहद चर्चित और दमदार किरदार टाइगर मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जो उनके फैंस के लिए एक बड़ी ट्रीट है। कहानी में, मुथुवेल पांडियन अपनी हिंसक जिंदगी को पीछे छोड़कर एक शांत सेवानिवृत्त जीवन बिता रहे होते हैं। लेकिन जब एक शक्तिशाली क्राइम साम्राज्य उभरता है और उनके परिवार तथा विरासत पर खतरा मंडराता है, तो वे एक बार फिर अपने पुराने खौफनाक अंदाज में एक्शन में लौटने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे कहानी में रोमांच और एक्शन का भरपूर तड़का लगता है। केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने इस फिल्म को यूए 16+ रेटिंग दी है, जो दर्शाता है कि इसमें कुछ ऐसी सामग्री हो सकती है जो 16 वर्ष से कम उम्र के दर्शकों के लिए अनुपयुक्त हो, इसलिए माता-पिता को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। फिल्म का कुल रनटाइम 165 मिनट और 18 सेकंड यानी 2 घंटे 45 मिनट और 18 सेकंड है, जो दर्शकों को एक लंबी और मनोरंजक सिनेमेटिक यात्रा का वादा करता है। एक और खास बात यह है कि जेलर 2 को स्टैंडर्ड के साथ-साथ आईमैक्स फॉर्मेट में भी रिलीज किया जाएगा। यह रजनीकांत के करियर की पहली फिल्म होगी जिसे बड़े पैमाने पर आईमैक्स फॉर्मेट में प्रदर्शित किया जाएगा, जो दर्शकों को एक बेहतरीन और विहंगम विजुअल अनुभव प्रदान करेगी। नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जो फिल्म के हर सीन में जान भर देता है।

किसी बात से मिलने वाला सुकून उसके सच होने का सबूत नहीं : जावेद अख्तर

बॉलीवुड के महशूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अक्सर धर्म, आस्था, तर्क और समाज से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखते हैं। जावेद अख्तर अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। एक ताजा इंटरव्यू में उन्होंने धर्म को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है, जिसमें उन्होंने सवाल किया कि क्या इंसान सच में उस धर्म को अपनी पसंद से मानता है, जिसमें उसका जन्म हुआ होता है। जावेद अख्तर ने आस्था और विश्वास पर बात करते हुए कहा कि किसी बात से मिलने वाला सुकून उसके सच होने का सबूत नहीं है। जावेद अख्तर ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कई बार इंसान किसी ऊपर वाली ताकत पर इसलिए भरोसा करता है क्योंकि इससे उसे यह एहसास मिलता है कि कोई उसकी देखभाल कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह भावना इंसान को मानसिक राहत तो दे सकती है, लेकिन इससे उस विश्वास की सत्यता साबित नहीं होती। अपनी बात समझाने के लिए उन्होंने एलन मस्क का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति दिल से यह मान ले कि एलन मस्क उसका भाई है और अगले महीने उसे अरबों डॉलर मिलने वाले हैं, तो यह सोच उसे खुश और सुरक्षित महसूस करा सकती है। लेकिन सिर्फ उस विश्वास से यह बात सच नहीं हो जाएगी। उन्होंने तर्क दिया कि किसी चीज पर विश्वास करने से मिलने वाला सुकून और उस चीज के सच होने के बीच अंतर है, जो आस्था और वास्तविकता के बीच के फर्क को समझाने की कोशिश है। जावेद अख्तर ने धर्म को लेकर सबसे अहम सवाल उस वक्त उठाया, जब उन्होंने कहा कि करीब 99 फीसदी लोग उसी धर्म में मरते हैं, जिसमें उनका जन्म हुआ था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आस्था या धार्मिक पहचान कभी भी इंसान का अपना स्वतंत्र या सचेत चुनाव नहीं होती, बल्कि बचपन में माता-पिता और परिवार से विरासत में प्राप्त होती है। वे मानते हैं कि दुनिया के अधिकांश लोग बिना सवाल किए इन मान्यताओं का पालन करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसानों और उनके विचारों को अलग-अलग करके देखा जाना चाहिए।

नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग होता है काफी युवा, वैज्ञानिक खोजने में लगे हैं कारण

नार्कोलेप्सी एक दीर्घकालिक और गंभीर तंत्रिका संबंधी नींद से जुड़ी बीमारी है, जो मस्तिष्क के सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने की क्षमता को प्रभावित करती है। नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों को अक्सर रात में नींद टूटने और दिन में बहुत ज्यादा नींद आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि इससे पीड़ित लोगों का दिमाग काफी युवा होता है। इस अध्ययन से सामने आया है कि नार्कोलेप्सी के मरीजों के दिमाग में आम तौर पर समय से पहले बूढ़े होने के लक्षण नहीं दिखते, जो आमतौर पर लंबे समय तक नींद में खलल पडऩे से जुड़े होते हैं। नार्कोलेप्सी के 2 मुख्य प्रकार हैं, जिन्हें टाइप 1 और टाइप 2 के नाम से जाना जाता है। दोनों में ही दिन के समय बहुत ज्यादा नींद आती है, लेकिन टाइप 2 में लक्षण आमतौर पर कम गंभीर होते हैं। नार्कोलेप्सी टाइप 1 में नींद और जागने की प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी होती है। साथ ही हाइपोक्रेटिन की कमी हो जाती है। हाइपोक्रेटिन एक न्यूरोपेप्टाइड है, जो शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है। इनमें जागने और सतर्क रहने की क्षमता शामिल होती है, जिसका संबंध दिमाग में उम्र के साथ होने वाले बदलावों से भी होता है। इसलिए, इससे समय से पहले दिमाग के बूढ़े होने की संभावना बढने की उम्मीद की जाती है। हालांकि, शोधकर्ता कहते हैं कि उपलब्ध बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग के नतीजे इस संभावना का समर्थन नहीं करते। इसके बजाय इसका उल्टा असर देखने को मिलता है। कुछ सबूत बताते हैं कि हाइपोक्रेटिन की कमी से यह प्रभाव बदल सकता है कि नींद की गड़बड़ी किसी व्यक्ति के दिमाग पर कैसे असर डालती है। वैज्ञानिक अभी तक यह जान नहीं पाए हैं कि नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग जवान क्यों रहता है। इस संबंध में और अध्ययन की जरूरत होगी। नार्कोलेप्सी एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसका कोई पक्का इलाज नहीं है। हालांकि, डॉक्टर की सलाह से दी गई दवाइयां, जीवनशैली की आदतों और व्यवहार से जुड़े तरीकों से इसके लक्षणों को कम किया जा सकता है। अगर आप हर दिन एक ही समय पर सोएं और जागें तो आपको फायदा हो सकता है। साथ ही अच्छा माहौल बनाने और हल्की एक्सरसाइज करने से भी लाभ होता है।

BRIFF NEWS

Vance's 'indentured servants' remark deeply offensive: Government

New Delhi, Agency: Following a long period of strained India-US ties, the gloves came off finally as India hit out at US Vice President JD Vance for labelling H-1B visa holders and foreign tech professionals as foreign indentured servants, a characterisation New Delhi slammed as deeply offensive and unwarranted.

The scathing response followed the US announcement about the suspension of many tech companies, including several from India, from PERM Green Card programme. Govt acknowledged the development may impact the permanent residency process of eligible employees even though the validity of existing H-1B visas or the status of those visa holders and dependants will remain unaffected.

Vance had reinforced the announcement by declaring that American workers cannot be laid off and then replaced with foreign indentured servants. He also insisted that only top-tier, elite foreign talent not available domestically should be brought into US.

MEA countered Vance's comments as it said in a statement that such descriptions were unwarranted.

MEA: Use of colonial legacy terminology deeply offensive: MEA said US Vice President JD Vance's comments also ignored the fact that Indian professionals in US are highly educated and skilled contributors to its economy and innovation ecosystem.

SC: Prioritise WB challenges to deletions over pleas for deletion

New Delhi, Agency: With the Kolkata and Howrah municipal elections due in Dec and lakhs of appeals challenging post-SIR deletion and inclusion of names pending, Supreme Court Friday said the tribunals set up to examine claims should prioritise the challenges to deletions.

"There is a large chunk of appeals which seek deletion of names... These can be pushed behind the appeals which seek inclusion of names," said a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana. They said they would consider on Oct 16 how to expedite hearings on petitions.

The bench's observation came after advocates Prashant Bhushan and G Sankaranarayanan complained that pendency of lakhs of appeals would result in disenfranchising a large number of voters in the municipal elections. It would be appropriate to allow those who have appealed against deletion of their names to vote, they said.

The bench said, "We are already working on the issue of pendency of appeals before the tribunals... Probably, we will find a via media soon... Why the tribunals are taking time is intrinsically related to issues which require to be fixed including architecture of the software, etc."

CJP protest: Airfares soar as train services hit; slight rise in last-minute booking

New Delhi, Agency: The unprecedented clampdown in Delhi in the wake of CJP protest, including cancellation of several trains to the city, saw a "slight increase" in last-minute bookings on flights to and from Indira Gandhi International Airport (IGIA) for this weekend. Airfares on some routes saw a surge, too.Travel industry insiders said the shift could become more pronounced if the agitation and the restrictions on movement continue longer as the festive season begins Monday with Navratri.

"There has been a slight increase in bookings on Delhi flights for this weekend. It is too early to say anything for sure in terms of train and bus passengers moving to air as the weekend flights in the pre-festive season were pretty full and the fares were anyway high," said an airline official. A senior official of a leading online travel agency (OTA) said: "Till

Friday night, we didn't see a major spike in spot fares from Lucknow, Prayagraj and other parts of UP. Only spot fares on Varanasi-Delhi route for Saturday were higher by 15% over a month back. So far, there is no substantial increase in flight demand."

OTA sites showed Varanasi-Delhi one-way fares starting at Rs 6,200 and going up to Rs 14,000 Saturday - higher than usual.

The big worry for airlines and Delhi airport is passengers, crew members and other staff being able to reach IGIA in time due to the feared large-scale disruption of metro service and impacted traffic movement.

If the protest continues for a longer duration and pushes up demand for air travel, then airfares - which are anyway higher due to spiralling operating costs from higher jet fuel prices and a crashing rupee - will soar further, according to travel industry stakeholders. Airfares from Amritsar surged sharply Friday, with some flights touching Rs 8,000 against the usual one-way fare of around Rs 4,000.

Fares for the Saturday flight from Ludhiana saw fluctuations throughout the day, soaring as high as Rs 12,987 before falling to Rs 4,301 at 8 pm.

"Those with onward travel plans, especially international flights, have limited choices and are having to buy expensive tickets to avoid further cancellations or missing their connections," said Dalip, a travel agent in Amritsar.

Pandaveshwar Area Clinches Championship at ECL Inter-Area Kabaddi Tournament 2026–27

DB Reporter

Sanctoria : Eastern Coalfields Limited (ECL) successfully organised the Inter-Area Kabaddi Tournament 2026–27 at Jhalbagan Ground, ECL Headquarters, with great enthusiasm and sporting spirit. The tournament witnessed intense competition among teams representing various areas and establishments of the company.

Pandaveshwar Area emerged as the champions, while Jhanjra Area secured the runner-up position following a closely contested final held on Friday evening.

Dr. Satish Jha, Chairman-cum-Managing Director (CMD) of ECL, attended the event as the Chief Guest. Addressing the gathering, he highlighted the importance of sports in promoting physical fitness, discipline, teamwork and camaraderie among employees. He congratulated both the champion and runner-up teams on their performances and presented prizes to the winners.

Sainik School Nalanda Shines as 23 Cadets Clear UPSC NDA Exam

DB Reporter

Nalanda : Sainik School Nalanda has achieved another milestone, with 23 cadets qualifying the written examination of the National Defence Academy and Naval Academy Examination (II), 2026, conducted by the Union Public Service Commission (UPSC).

The written examination was held on September 13, 2026. The successful candidates are now eligible to appear for the Services Selection Board (SSB) interview conducted under the Ministry of Defence. The school will organise special orientation classes to help the cadets prepare for the next stage of the selection process.

The qualifiers are aspiring to join the Army, Navy and Air Force wings of the National Defence Academy for its 158th Course, as well as the 120th Indian Naval Academy Course.

SC junks challenge to TN speaker's call to accept ADMK plea to condone 21 'rebels'

New Delhi, Agency: The Supreme Court Friday refused to entertain an AIADMK party worker's petition challenging the Tamil Nadu speaker's decision to accept AIADMK's plea to withdraw disqualification petitions against 21 of its legislators who had defied party orders and voted for the confidence motion moved by the governing TVK.

A bench headed by Chief Justice of India Surya Kant said when the party, to which the MLAs belonged, has condoned the lapse and withdrawn its petitions seeking their disqualification, a person who is not even an MLA cannot challenge the speaker's decision.

The petitioner said that by their very conduct, the 25 MLAs, of whom four have resigned, have indulged in anti-party activity and

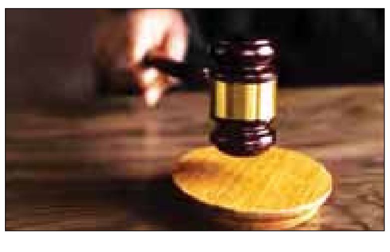

are liable for disqualification under the anti-defection law.

The Supreme Court bench said in a multi-party democracy like India, political dynamics in a coalition govt must be left to the political parties and decisions in this regard by the speaker, unless palpably unconstitutional, cannot be interfered with by the courts.

The Madras high court had earlier dismissed the appellant's writ petition against the speaker's order dropping disqualification proceedings against the 21 MLAs.

I-T finds stamp duty, tax evasion in Karnataka land deals

New Delhi, Agency: Tax authorities in Bengaluru have come across a new tool for evading taxes and stamp duty, a development that may have implications across states. Initial estimates suggest land deals of over Rs 300 crore have seen under-reporting.The income tax department's directorate of intelligence and criminal investigation in the southern city has found several instances of incomplete disclosure of the entire sale consideration in the registered sale deeds. The remaining amount is paid by executing unregistered full and final settlement deeds with the payment routed through banking channels.

There are several instances of the method being used by local builders to purchase land parcels and then develop them into residential units and plots.

"Since the additional payment made is not part of the sale deed, the buyer pays no stamp duty and registration fee to the state govt, resulting in huge revenue loss," said a person familiar with the probe.

The tax authorities have alerted the registration department in Karnataka. Stamp duty evasion in the state can result in hefty penalties.

Besides, the buyers did not deduct TDS despite purchasing 'urban agricultural land' as a result of which the additional amount paid through full and final settlement deed remained outside the radar of the tax department. Some of the sellers, who have claimed exemption from the sale of agricultural land have not filed their returns, as a result of which tax was not paid.

"The department also identified a number of registered transactions involving exchange of property involving undervaluation of properties sold, on which there is short payment of stamp duty and registration fee and payment of additional consideration outside the book," said a person in the know.

How many trains can one stop? Can't halt youth of India: Union minister Chirag Paswan

New Delhi, Agency: "They are the youth of India. Nobody can stop them," BJP ally and Union minister Chirag Paswan said Friday, replying to allegations that govt was curbing train and metro services to stop people from attending Saturday's protest called by CJP over the SIR issue.

"Some people are trying to spread such misconceptions. How many trains can one stop? How many roads can one block? They are India's youth, capable of showing the way to the world. Generations have done it.

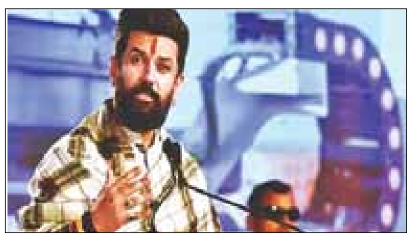

No one can stop them," the LJP (Ram Vilas) president told reporters on the sidelines of an event. After CEC Gyanesh Kumar came under scrutiny following the charge that he was taking unilateral decisions, Chirag had called for clarification but quickly backed out after Election Commission released a statement to suggest that decisions were unanimous.

Assembly bypolls: TVK wins 2 seats in TN, BJP also bags 2 in Bengal

Chennai, Agency: TVK cleared its first test barely five months after forming govt in Tamil Nadu, winning the bypolls in two assembly constituencies, while in West Bengal, BJP retained Nandigram - CM Suvendu Adhikari's backyard - and wrested Rejinagar from AJUP (Aam Janata Unnayan Party), winning both assembly bypolls in its first electoral test since coming to office in state.

All-India NR Congress, an NDA ally, retained Thattanchavady assembly segment, with Ashok Anand defeating his nearest Congress rival by over 8,400 votes. BJP regained Assam's Nagaon Lok Sabha constituency, with ex-IAS officer Devasish Sharma securing about 50% of the vote. AIUDF chief Badruddin Ajmal finished second, followed by Congress's Sibamoni Bora. Sharma, who was Nagaon district commissioner when he took VRS and had joined BJP last month, led Ajmal by over 1.5 lakh votes, while Bora trailed by over 1.2 lakh votes.

A victory for political decorum and personal decency, says

Vijay: Though Madurantakam and Dharapuram in Tamil Nadu presented different political terrain, TVK won both seats with comfortable margins by fielding former AIADMK MLAs Maragatham Kumaravel and P Sathyabama, who had joined the governing party barely 20 days after the assembly election results in May. Sathyabama won Dharapuram by 9,471 votes, while Maragatham secured Madurantakam with a margin of 20,040 votes.

DMK finished second in both seats, while AIADMK, which had won the two segments in the April assembly election, was pushed to third. The results increase TVK's strength in the 234-member assembly from 107 to 109. "This is a victory for political decorum and personal decency.

Elon Musk fires another salvo over Starlink delay, targets Ambani again

New Delhi, Agency: SpaceX CEO Elon Musk on Friday fired another salvo over the delay in the commercial rollout of Starlink in India, taking swipe at billionaire Mukesh Ambani.

In a post on X, Musk addressed the Reliance Industries chairman as "Prime Minister Ambani", alleging that he was the "real boss of India" and questioning why Starlink was yet to receive the necessary clearances to begin commercial operations.

"Dear Prime Minister Ambani, Please accept my humble apologies for not realizing that you are the real boss of India. Naturally, you would prefer to maintain your monopolistic exploitation of the great people of India, but would you nonetheless consider allowing Starlink to compete?" Musk wrote.

He argued that Starlink could improve access to the internet in underserved parts of the country, particularly for children seeking educational opportunities and small businesses looking to reach international markets.

"There are many areas of India, as there are in all countries, with no Internet access, which denies children the opportunity for education and for small businesses the opportunity to sell their goods to a global market. Starlink would change their lives for the better. Thank you" he added.

\- elonmusk (@elonmusk)

Musk's latest remarks come a day after he accused unnamed Indian business groups of obstructing Starlink's entry to protect their market positions. He had alleged that the company was being blocked by "certain oligarchs" seeking to maintain a "monopolistic chokehold on the Indian people".

The Indian government has rejected the allegations, maintaining that the delay stems from pending regulatory and security requirements rather than preferential treatment for domestic telecom companies.

At the India Mobile Congress (IMC) 2026 in New Delhi, Union communications minister Jyotiraditya Scindia said India would not permit a monopoly in any sector and that three satellite communication operators had received licences.